NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 35 लखनऊ, रविवार 15 सितंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

मुझे तीसरी बार भेजा दिल्ली, हरियाणा में भी लगेगी जीत की हैट्रिक, कुरुक्षेत्र में बोले पीएम मोदी

एजेंसी।

नई दिल्ली बीते वर्षों में हरियाणा निवेश के मामले में, कमाई के मामले में देश के टॉप राज्यों में पहुंचा है। मुझे इस बात का गर्व होता है। हमने कांग्रेस की सरकार का वो दौर देखा है... विकास का पैसा सिर्फ एक जिले तक सीमित रह जाता था। इतना ही नहीं, वो पैसा किस–किस के जेब में जाता था, इसको भी हरियाणा का बच्चा–बच्चा जानता है। भाजपा ने पूरे हरियाणा को विकास की धारा से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के लोगों से आगामी राज्य चुनावों में

लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन करने का आह्वान किया। कुरुक्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि हरियाणा में फिर से बीजेपी की सरकार बनाने में मदद करें। देश के बुजुर्गों को दी गई गारंटी, मोदी ने पूरी कर दी है। मैं हरियाणा के सभी भाइयों–बहनों से कहूंगा कि आप अपने बाल–बच्चों का ध्यान रखिए, आपके माता–पिता की चिंता आपका ये बेटा, आपका ये भाई कर रहा है। हरियाणा में भाजपा सरकार पूरे सेवा भाव से काम कर रही है। बीते वर्षों में हरियाणा निवेश के मामले में, कमाई के मामले में देश के टॉप राज्यों में पहुंचा है। मुझे इस बात का गर्व होता है। हमने कांग्रेस की सरकार का वो दौर देखा है... विकास का पैसा सिर्फ एक जिले तक सीमित रह जाता था। इतना ही नहीं, वो पैसा किस–किस के जेब में जाता था, इसको भी हरियाणा का बच्चा–बच्चा जानता है। भाजपा ने पूरे हरियाणा को विकास की धारा से जोड़ा है। भाजपा सरकार के आने से पहले यहां आधे घरों में नल कनेक्शन नहीं था। आज हरियाणा करीब–करीब शत प्रतिशत नल से जल वाला राज्य बन रहा है। जनता की परेशानी से, जनता की समस्याओं से कांग्रेस को कभी कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी देश में और कोई नहीं है। कांग्रेस किसानों के लिए बड़ी–बड़ी बातें करती है... उन्हें बड़े–बड़े सपने दिखाती है। सच्चाई ये है कि ये झूठ के अलावा कुछ नहीं है। अगर कांग्रेस में दम है, तो वो कर्नाटक और तेलंगाना में अपनी किसान योजनाएं क्यों नहीं लागू करती? कर्नाटक और तेलंगाना में विकास के सारे काम ठप्प हैं।

ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ,सीएम योगी बोले– आज लोग दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं

संवाददाता।

लखनऊ गोरखपुर में एक कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य शंकर काशी में आए तो साक्षात भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेकर आई। उन्होंने इस बात को देखा कि प्रातरू काल जब ब्रह्म मुहर्त में आदि शंकर गंगा स्नान के लिए जा रहे होते हैं तो वो सबसे अछूत कहे जाने वाले व्यक्ति के रूप में उनके मार्ग के सामने खड़े हो जाते हैं।ज्ञानवापी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान सामने आया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ ही हैं। सीएम ने कहा कि कुछ लोग ज्ञानवापी को मस्जिद कहते हैं। यूपी के गोरखपुर में एक कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य शंकर काशी में आए तो साक्षात भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेकर आई। उन्होंने इस बात को देखा कि प्रातरू काल जब ब्रह्म मुहर्त में आदि शंकर गंगा स्नान के लिए जा रहे होते हैं तो वो सबसे अछूत कहे जाने वाले व्यक्ति के रूप में उनके मार्ग के सामने खड़े हो जाते हैं। स्वभाविक रूप से आचार्य शंकर के मुंह से निकलता है मेरे मार्ग से हटो। सामने से चंडाल एक प्रश्न पूछता है कि आप तो अपने आप को ज्ञान की मूर्त मानते हैं आप किसे हटाना चाहते हैं? आपका ज्ञान का इस भौतिक काया को देख रही है। इस भौतिक काया के अंदर बसे ब्रह्म को देख रही है। अगर ब्रह्म सत्य है तो आपके अंदर बसा ब्रह्म है वही मेरे अंदर भी है।

हिमंत विश्व शर्मा ने उल्फा आई प्रमुख को युवाओं का भविष्य खतरे में डालने वाली गतिविधियों से बचने को कहा

एजेंसी।

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रतिबंधित संगठन उल्फा (आई) प्रमुख परेश बरुआ से राज्य के युवाओं का भविष्य खतरे में डालने वाली किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होने का आग्रह करते हुए कहा कि राज्य आगामी 10 साल में एक 'पावरहाउस' (शक्ति का केंद्र) बनने जा रहा है। असम

के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रतिबंधित संगठन उल्फा (आई) प्रमुख परेश बरुआ से राज्य के युवाओं का भविष्य खतरे में डालने वाली किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होने का आग्रह करते हुए कहा कि राज्य आगामी 10 साल में एक 'पावरहाउस' (शक्ति का केंद्र) बनने जा रहा है। शर्मा ने यहां 'द असम ट्रिब्यून डायलॉग 2024' में कहा कि 15 अगस्त को राज्य भर में बम लगाना ''गहरी चिंता का विषय है जो राज्य में जारी प्रगति और विकास को प्रभावित कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''हम दृढ़तापूर्वक और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुझे यकीन है कि अगर राज्य शांतिपूर्ण रहा, आर्थिक व्यवस्था एक समान रही और युवाओं में सहयोग तथा उत्साह रहा, तो हम अगले 10 साल में भारत के परिदृश्य में एक 'पावरहाउस' बन जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि राज्यभर में विस्फोटकों के लगाए जाने के संबंध में गहरी चिंता है। उन्होंने कहा, ''मैं इस मंच पर उल्फा (आई) प्रमुख से आग्रह करता हूं कि वे ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं हों जो राज्य के युवाओं के भविष्य को खतरे में डाल दे।'' प्रतिबंधित संगठन उल्फा (आई) ने स्वतंत्रता दिवस पर असम में सिलसिलेवार विस्फोट करने के लिए 24 स्थानों पर बम लगाने का दावा किया था जिसके बाद पुलिस ने गुवाहाटी में दो स्थानों सहित कम से कम आठ स्थानों से 'बम जैसे पदार्थ' बरामद किए थे।

बम धमाके से दहल उठा बंगाल, उड़ गया हाथ, प्रदेश बीजेपी चीफ ने अमित शाह को लिखा पत्र

एजेंसी।

कोलकाता मंत्री ने अपने पत्र में कहा गया है कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि घटना से संबंधित सभी संभावित कोणों की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए एनआईए या किसी अन्य केंद्रीय एजेंसी द्वारा विस्तृत जांच पर विचार करें। अस्पताल में घायल व्यक्ति ने अपना नाम बापी दास बताया है।कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड इलाके में जबरदस्त धमाका हुआ। दोपहर के तकरीबन पौने दो बजे ये धमाका हुआ है और इसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। धमाका कैसे हुआ इसकी जांच में कोलकाता पुलिस जुटी हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ, जब कूड़ा बीनने वाला शख्स ब्लोचमैन स्ट्रीट और एसएन बनर्जी रोड के चौराहे पर 'प्लास्टिक के एक बैग के पास' खड़ा था। अब पूरे मामले को लेकर बीजेपी के नेता और केंद्रीय मंत्री ने अमित शाह से संपर्क किया है। केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मध्य कोलकाता में हुए विस्फोट की घटना की गहन जांच का अनुरोध किया है। मंत्री ने अपने पत्र में कहा गया है कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि घटना से संबंधित सभी संभावित कोणों की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए एनआईए या किसी अन्य केंद्रीय एजेंसी द्वारा विस्तृत जांच पर विचार करें। अस्पताल में घायल व्यक्ति ने अपना नाम बापी दास बताया है। उसने कहा कि उसके पास कोई काम नहीं है और इधर उधर घूमते रहता है। उसने हाल ही में एसएन बनर्जी रोड के फुटपाथ पर रहना शुरू किया था।

एक बार जो कमिटमेंट कर दी, फिर खुद की भी नहीं सुनता, लाडली बहना योजना पर बोले महाराष्ट्र के सीएम

एजेंसी।

महाराष्ट्र । सीएम शिंदे ने कहा कि लोग चांदी के चम्मच के साथ रहते हैं, धन–दौलत से घिरे रहते हैं, उन्हें इस 1500 रुपये की कीमत समझ में नहीं आएगी। इसकी असली कीमत मेरी गरीब माताएं–बहनें जानती हैं। मैं भी एक किसान का बेटा हूं और मैंने कठिनाइयां देखी हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना योजना को 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है और कहा कि इस योजना को कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि वे चुनाव के बाद अपने वादे भूल गए। मेरी लाडली बहनों, यह उत्साह साबित करता है कि हमारी योजना सफल रही है, मुझे इस बात की खुशी है।

लाडली बहनों के लिए हमारी योजना की समय सीमा 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। जिनके खातों में पैसा नहीं आया है, उन्हें एक और मौका मिलेगा। इस योजना को कोई नहीं रोक सकता, लेकिन कुछ लोगों ने इस योजना में बाधा डालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। सीएम शिंदे ने कहा कि लोग चांदी के चम्मच के साथ रहते हैं, धन–दौलत से घिरे रहते हैं, उन्हें इस 1500 रुपये की कीमत समझ में नहीं आएगी। इसकी असली कीमत मेरी गरीब माताएं–बहनें जानती हैं। मैं भी एक किसान का बेटा हूं और मैंने कठिनाइयां देखी हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब उनकी सरकार कोई कमिटमेंट करती है तो वे खुद की भी नहीं सुनते। महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए महायुति सरकार की प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के तहत फिलहाल प्रति माह 1,500 रुपये दिए जाते हैं। शिंदे ने कहा कि हमने लाडकी बहिन योजना शुरू की, जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जा रहे हैं। यदि आप हमारी ताकत बढ़ाते हैं, तो हम मासिक राशि 2,000 रुपये तक बढ़ा देंगे। यदि आप बड़ा जनादेश देते हैं, तो हम इसे बढ़ाकर 3,000 रुपये कर देंगे। हम इस राशि को बढ़ाने में संकोच नहीं करेंगे। शिंदे ने कहा कि ये लोग और इनके नेता चुनाव के दौरान कहते थे कि आपके खातों में पैसा आना शुरू हो जाएगा, लेकिन चुनाव खत्म होते ही ये अपने वादे भूल गए। ऐसा लगा जैसे कोई शप्रिंटिंग मिस्टेकश हो गई हो. लेकिन हमने जो वादे किये, वो पूरे किये. जब हम कोई वादा करते हैं

तो हम खुद की भी नहीं सुनते। सीएम शिंदे ने कहा, बालासाहेब भी कहते थे, श्या तो वादे मत करो, लेकिन अगर करते हो तो उन्हें किसी भी कीमत पर पूरा करो। महाराष्ट्र के सीएम ने कहा कि वे महिलाओं को करोड़पति बनते देखना चाहते हैं।

धरनास्थल पर ममता ने चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया, प्रदर्शनकारी बोले-समझौता नहीं करेंगे

एजेंसी।

कोलकाता । मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार जारी गतिरोध के बीच अचानक जूनियर चिकित्सकों के धरनास्थल पर पहुंचीं और उन्हें उनकी मांगों पर गौर करने तथा दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह उनके खिलाफ कोई कदम नहीं उठाएंगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार जारी गतिरोध के बीच अचानक जूनियर चिकित्सकों के धरनास्थल पर पहुंचीं और उन्हें उनकी मांगों पर गौर करने तथा दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। साल्ट लेक में स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह उनके खिलाफ कोई कदम नहीं उठाएंगी क्योंकि वह लोकतांत्रिक आंदोलन को दबाने में विश्वास नहीं रखतीं। उन्होंने कहा, "बंगाल उत्तर प्रदेश नहीं है।" हालांकि मुख्यमंत्री के जाने के बाद आंदोलनकारी चिकित्सकों ने कहा कि वे बातचीत होने तक अपनी मांगों को लेकर समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि गतिरोध जल्द खत्म होने वाला नहीं है। बनर्जी पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार के साथ अचानक अपराह्न करीब एक बजे सेक्टर 5 स्थित धरनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक बारिश के बीच सड़क पर धरना दे रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें रातों को नींद नहीं आ रही है। बनर्जी ने कहा, ''मैं आपसे मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि आपकी 'दीदी' के तौर पर मिलने आई हूं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आपको आश्वासन देती हूं कि आपकी मांगों पर गौर करूंगी और अगर कोई दोषी पाया गया तो कार्रवाई करूंगी।'' उन्होंने धरने पर बैठे चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया। बनर्जी ने यह घोषणा भी की कि सभी सरकारी अस्पतालों की रोगी कल्याण समितियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''संकट को सुलझाने का यह मेरा आखिरी प्रयास है।'' मंगलवार से ही चिकित्सक राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय स्वास्थ्य भवन के बाहर डेरा डाले हुए हैं। उनकी मांगों में सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुरक्षा व्यवस्था कायम करना और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में शीर्ष अधिकारियों को हटाना शामिल है। जूनियर चिकित्सक एक महीने से ज्यादा समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही है। सरकार ने दावा किया है कि विरोध प्रदर्शन के कारण कथित तौर पर इलाज न होने से 29 लोगों की मौत हो गई है।

प्रधानमंत्री को वंशवाद के बजाय जम्मू–कश्मीर में बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए –उमर

एजेंसी।

श्रीनगर । उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्हें वंशवाद की राजनीति का मुद्दा उठाने के बजाय जम्मू–कश्मीर में 'बिगड़ती' सुरक्षा स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष ने किश्तवाड़ में मुठभेड़ के दौरान दो सैनिकों की शहादत पर प्रधानमंत्री की 'चुप्पी' पर सवाल उठाया। श्रीनगर । नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्हें वंशवाद की राजनीति का मुद्दा उठाने के बजाय जम्मू–कश्मीर में 'बिगड़ती' सुरक्षा स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। इससे पहले दिन में डोडा जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था कि जम्मू–कश्मीर में राजनीतिक वंशवाद ने क्षेत्र को नष्ट कर दिया है और नए नेतृत्व को उभरने नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी पर पलटवार करते हुए नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा को इन दलों के साथ गठबंधन करने में कोई हिचक नहीं है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष ने किश्तवाड़ में मुठभेड़ के दौरान दो सैनिकों की शहादत पर प्रधानमंत्री की 'चुप्पी' पर सवाल उठाया। उमर अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री ने डोडा में भाषण दिया...किश्तवाड़ में हुए हमले को अभी 24 घंटे भी नहीं हुए हैं जिसमें उत्तरी कश्मीर में मुठभेड़ के दौरान सेना के दो बहादुर जवान शहीद हो गए।'' उन्होंने कहा, ''वह लोगों को गुमराह करने के लिए वंशवाद की बात करते हैं। उन्हें वर्तमान स्थिति के बारे में बात करनी चाहिए थी।'' उन्होंने कहा कि जब पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद–370 को निरस्त किया गया तो देश के लोगों से कहा गया कि कश्मीर में हिंसा विशेष दर्जे के कारण है और इसे (विशेष दर्जे को) हटाये जाने के बाद

बंदूक (आतंकवाद) का असर 'खत्म' हो जाएगा। नेकां नेता ने कहा, ''पांच साल हो गए हैं, लेकिन (आतंकी) मुठभेड़ अब भी जारी हैं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर वंशवाद की राजनीति को लेकर हमला बोला था। इस बारे में पूछे जाने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा सत्ता में आने के लिए इन दलों के साथ गठबंधन करने में कुछ भी गलत नहीं देखती। ब्दुल्ला ने कहा, ''जब भाजपा को इनमें से किसी एक परिवार की जरूरत थी, उस समय हम (जम्मू–कश्मीर के) विनाश के लिए जिम्मेदार नहीं थे। जब भाजपा का पीडीपी से गठबंधन था तब उसे पीडीपी में कुछ भी गलत नहीं लगा। जब (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी) वाजपेयी को मंत्री बनाना था और उन्होंने मुझे चुना, तब हममें कुछ भी गलत नहीं था। अब चुनाव के दौरान वे कहते हैं कि हम गलत हैं।'' नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता ने दावा किया कि अगर जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के पास सरकार बनाने के लिए जरूरी संख्याबल नहीं होगा और पीडीपी उसे समर्थन देने का फैसला करेगी, ''तब उन्हें (भाजपा को) इसमें कुछ भी गलत नहीं लगेगा।

पूहाना विधानसभा सीट पर चचेरे भाई आमने-सामने, बीजेपी ने मुस्लिम प्रत्याशी Ejaz Khan को दिया टिकट

एजेंसी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने 21 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। जिसमें बीजेपी ने एक बार फिर से दो मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव खेला है। पार्टी ने फिरोजपुर झिरका से नसीम अहमद और पुन्हाना से एजाज खान को टिकट दिया है। पिछली बार चुनाव लड़ने वाले जाकिर हुसैन को टिकट दिया था।भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। जिसमें बीजेपी ने एक बार फिर से दो मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव खेला है। पार्टी ने फिरोजपुर झिरका से नसीम अहमद और पुन्हाना से एजाज खान को टिकट दिया है। पिछली बार चुनाव लड़ने वाले जाकिर हुसैन की जगह संजय सिंह को नूंह सीट से उम्मीदवार बनाया है। मेवात इलाके की मुस्लिम बहुल तीन विधानसभा सीटों में दो पर मुस्लिम और एक पर हिंदू कैंडिडेट को उतारकर बीजेपी ने राजनीतिक गणित बैठाने की भी कोशिश की है। बीजेपी ने पुन्हाना सीट पर एजाज खान के रूप में नए मुस्लिम चेहरे को उतारा है। तो वहीं फिरोजपुर झिरका सीट पर फिर से नसीम अहमद पर ही दांव खेला है। बीजेपी ने पिछले चुनाव में पुन्हाना सीट पर हिंदू कैंडिडेट उतारा था,

अजित पवार की रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने बचाई साख

एजेंसी। महाराष्ट्र के 48 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक रायगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है। जहां इस साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट के सुनील तटकरे ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है। 2002 को गठित भारत के परिसीमन आयोग की सिफारिशों के बाद 2008 में यह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अस्तित्व में आया।महाराष्ट्र के 48 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक रायगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है। जहां इस साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट के सुनील तटकरे ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है। 2002 को गठित भारत के परिसीमन आयोग की सिफारिशों के बाद 2008 में यह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अस्तित्व में आया। यहां पहली बार 2009 में संसदीय चुनाव संपन्न हुए। इस क्षेत्र पर मराठाओं ने लंबे समय तक राज किया। यहां की एक पहाड़ी पर रायगढ़ दुर्ग को छत्रपति शिवाजी ने बनवाया था। छत्रपती शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक भी यहीं पर हुआ था। रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र महाराष्ट्र के रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों के तहत ही आता है। जो पेन, अलीबाग, श्रीवर्धन, महाड़, दापोली और गुहागर विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया है। 2019 में हुए अंतिम विधानसभा चुनाव में चार सीट पर शिवसेना ने जीत हासिल की थी। इसके साथ ही बीजेपी और कांग्रेस भी अपना खाता खोलने में कामयाब रही थी। रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र की पेन विधानसभा सीट पीजेंट एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया का मजबूत गढ़ मानी जाती है। जिस पर पार्टी के नेता मोहन महादेव पाटिल ने 1980 से लेकर 1999 तक लगातार पांच बार जीत हासिल की थी।

पीडीए का जो नारा दिया है वह डा0 राममनोहर लोहिया की वैचारिकी से जुड़ता है – अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ के डॉ0 राममनोहर लोहिया सभागार में आज हिन्दी दिवस पर वरिष्ठ साहित्यकारों, लेखकों एवं समाजसेवियों का अभिनंदन किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शाल ओढ़ाकर सभी को सम्मानित किया। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने प्रमोद त्यागी की पुस्तक 'शापित महायोद्धा कर्ण' का विमोचन किया प्रमोद त्यागी मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ अधिवक्ता, सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ लेखन क्षेत्र में भी सक्रिय रहते है।गुनवीर राणा ने अपना गीत संग्रह 'आंसुओं की सभा' श्री यादव को भेंट किया। कार्यक्रम में सर्वश्री राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, श्याम लाल पाल प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदीप यादव विधायक शामिल रहे। हिन्दी दिवस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव द्वारा उदय प्रताप सिंह, प्रो0 अब्दुल बिस्मिल्लाह, वीरेन्द्र यादव, सूर्य कुमार पाण्डेय सहित प्रमोद त्यागी, दीपक कबीर, प्रो0 रमेश दीक्षित, वंदना मिश्रा, हिमांशु शर्मा, नीरज यादव, संजीव जायसवाल, कादिर राणा, अर्चना दीक्षित, राकेश कुमार, मुकेश दर्पण, आयुष यादव, मणेन्द्र मिश्रा, संजीव यादव, संदीप यादव, जयशंकर पाण्डेय आदि को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रो0 अब्दुल बिस्मिल्लाह, जिनकी पहली कृति 'झीनी–झीनी बीनी चदरिया' कथा साहित्य की मील का पत्थर मानी जाती है, ने कहा कि यह सम्मान साझी संस्कृति के लिए है अतः विशिष्ट है। उन्होंने कहा कि भाषाई साम्प्रायिकता के खिलाफ भी लड़ाई होनी चाहिए। हिन्दू–उर्दू को हिन्दू–मुस्लिम की भाषा बताकर अंग्रेजों ने भ्रम फैलाया बाद में उससे रोटियां सिंकने लगी हैं। उन्होंने कहा हिंदी उर्दू में कोई भेद नहीं है। पूर्व सांसद एवं कविउदय प्रताप ने कहा कि अंग्रेजों ने जो भाषाई साम्प्रदायिकता पैदा की थी वह आज भी चल रही है। हिन्दी, उर्दू मिलाकर हिन्दुस्तानी बनाने का समर्थन गांधीजी, मौलाना आजाद ने भी किया था। दुनिया की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में हिन्दी भी है। साहित्यकार प्रसिद्ध आलोचक वीरेन्द्र यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि समाजवादी आंदोलन और हिन्दी का गहरा रिश्ता रहा है। डॉ0 राममनोहर लोहिया ने आजाद भारत में अंग्रेजी के वर्चस्व को हटाने के लिए आंदोलन शुरू किया था। अंग्रेजी की गुलामी आज भी नहीं गई है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने पीडीए का जो नारा दिया है वह डॉ0 राममनोहर लोहिया की वैचारिकी से जुड़ता है। इसलिए दर्शन में बाबा साहब डॉ0 भीम राव अम्बेडकर भी शामिल है। इससे वैकल्पिक राजनीति का रास्ता प्रशस्त होगा।

महाकुंभ–2025 में श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए अरैल एवं झूंसी में पीपीपी मोड पर टेंट सिटी बसायी जायेगी

लखनऊ। महाकुंभ–2025 की मेजबानी के लिए प्रयागराज तैयार है। आस्था की डुबकी लगाने को श्रद्धालुओं में अभी से उत्साह है। चार महीने बाद देश–दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु–पर्यटक संगमनगरी पहुंचेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) सुविधाओं की श्रृंखला विकसित कर रहा है। संगम तट पर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित टेंट सिटी बसायी जाएगी। श्रद्धालुओं के ठहरने के साथ व्यवस्थित तरीके से स्नान, ध्यान, पूजा–अर्चना की व्यवस्था की जा रही है। आगंतुकों को यहां हेलीकॉप्टर भ्रमण, वाटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर टूरिज्म व लजीज व्यंजन का आनंद लेने का मौका मिलेगा।

यह जानकारी प्रदेश के जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ओर से परेड मैदान में पहले की तरह पारंपिक टेंट सिटी बसायी जाएगी। टेंट सिटी तीन अलग–अलग श्रेणियों में बसायी जाएगी। विभाग की ओर से विला, महाराजा और स्विस कॉटेज में लोगों के रहने–खाने की रूपरेखा तैयार की गई है। इसके अलावा, अरैल व झूंसी में पीपीपी मोड पर टेंट सिटी बसायी जाएगी। झूंसी में ढाई एकड़ में टेंट सिटी का निर्माण होगा, जिसमें 200 कॉटेज तैयार होंगे। यहां सुपर डीलक्स, प्रिमियम, विला आदि श्रेणी में सुविधाएं मिलेंगी। अरैल में 25 एकड़ में सजने वाली टेंट सिटी में 2000 कॉटेज होंगे। यहां डीलक्स, सुपर डीलक्स और लग्जरी श्रेणी की सुविधाएं मिलेंगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के लिए कई विशेष व्यवस्था होगी। यहां आध्यात्मिक माहौल के साथ, योग, यज्ञ, प्रवचन, भजन संध्या, प्राकृतिक चिकित्सा, रिवर व्यू, सांस्कृतिक गतिविधियां, साइकिलिंग के साथ–साथ सोशल कैम्पिंग और स्वदेशीध स्थानीय स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की जा रही है। यूपीएसटीडीसी महाकुंभ 2025 को यादगार बनाने के प्रयास में जुटी है। आगंतुकों को अध्यात्म के साथ रोमांच का अनुभव मिले, इसके लिए वाटर स्पोर्ट्स, पैरासेलिंग या पैरामोटरिंग का प्रबंध किया गया है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए मेला मैदान के अरैल घाट पर वाटर स्पोर्ट्स के आयोजन की भी योजना है। जयवीर सिंह ने बताया कि संगमनगरी आने वाले श्रद्धालुध्पर्यटक रेत पर बसे शहर में टेंट सिटी के साथ–साथ योग–प्राणायाम और मेडिटेशन सत्र का हिस्सा भी बन सकते हैं। दुनियाभर के फोटोग्राफरों के लिए महाकुंभ अविस्मरणीय और अद्वितीय क्षणों को कैद करने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि महाकुंभ मेला दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक–आध्यात्मिक आयोजनों में से एक है। पहले से अधिक दिव्य और भव्य आयोजन होने जा रहा है। देश–दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान–ध्यान के साथ ठहरने व भ्रमण करने की अच्छी व्यवस्था की जा रही है। प्रयागराज के मंदिरों का विकास, सौंदर्यीकरण, यात्री सुविधाओं के साथ–साथ इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

हिन्दी दिवस पर आयोजित हुई संगोष्ठी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर शनिवार की एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हिन्दी भवन के निराला सभागार लखनऊ में किया गया। दीप प्रज्वलन, माँ सरस्वती की प्रतिमापर माल्यार्पण, पुष्पार्पण के उपरान्त वाणी वंदना सर्वजीत सिंहद्वारा प्रस्तुत की गयी। डॉ0 रामकठिन सिंह, डॉ0 श्रुति, डॉ0 रमेश प्रताप सिंह का स्वागत स्मृति चिह्न भेंट कर आर0पी0 सिंह, निदेशक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा किया गया।डॉ0 रमेश प्रताप सिंह ने कहा कि हिन्दी भाषा में विस्तार की सम्भावनाएं है। हिन्दी सभी भाषाओं की समुच्य है। भाषा अभिव्यक्ति का साधन होती है। आज की हिन्दी राजभाषा तक सीमित नही है। इसका हिन्दी भाषा से सरल कोई भाषा नही है। हिन्दी पहले भी समृद्ध थी और आज की हिन्दी में विरासत के तत्व विद्यमान हैं। हिन्दी राष्ट्रभाषा नही बन सकी उसमें हिन्दी ही नही बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, हिन्दी हमारी भावना, संवेदना और संस्कृति है। क्षेत्रीय, प्रान्तीय भाषा कन्नड़, नेपाली हिन्दी को विकसित होने में बाधा डालती है। केशवचन्द्र शेन से हिन्दी को राष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान बनाने में बड़ी भूमिका निभायी थी। हिन्दी भाषा कभी–कभी कमजोर स्थिति में नही रही। देश स्वतंत्रता में हिन्दी साहित्यकारों का काफी योगदान रहा। साहित्यकारों की कालजयी ताकत भी रही जिससे देश स्वतंत्र हो गया। डॉ0 श्रुतिने कहा कि आज हिन्दी भाषा के सम्मुख कई चुनौतियाँ है। हिन्दी में बोलने की अभूतपूर्व क्षमता है। भारत बहुभाषी–विविध संस्कृतियों का देश है। भाषायी संस्कृति को एक सूत्र में बांधने की क्षमता हिन्दी को ही है। हिन्दी केवल एक भाषा ही नही भारत की संस्कृति हैं हिन्दी भारत माता के माथे की बिन्दी है। महात्मा गांधी जी ने एकभाषिता पर काफी बल दिया। हिन्दी में अन्य भाषाओं को समाहित करने की क्षमता है। हिन्दी का शब्द भण्डार निरन्तर बढ़ता जा रहा है। हिन्दी में संप्रेषणीयता की अद्भुत क्षमता है। संचार माध्यम व फिल्मों ने भी हिन्दी को बढ़ावा दिया। अलग–अलग भाषाओं के शब्द को हिन्दी ने अपने में समाहित करती चली जा रही है। हिन्दी को आगे बढ़ाने में आत्मविश्वास की आवश्यकता है। हमारी हिन्दी की भावना देशवासियों में प्रचार–प्रसार करने की आज आवश्यकता है। डॉ0 रामकठिन सिंह ने कहा कि हिन्दी कोबढ़ावा देने में विज्ञान परिषद ने 1914 से निरन्तर प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'विज्ञान' ने अहम भूमिका निभायी। हिन्दी लेखकों में गुणाकरमुले का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। वर्तमान में नई शिक्षा नीति ने भी हिन्दी को अग्रसर करने में प्रयासरत है। हमे अपनी मात्र भाषा में लिखने, बोलने, पढ़ने, सीखने में गर्व का अनुभव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अनुवाद के स्थान पर मूल लेखन पर बल देना चाहिए। हिन्दी एक सक्षम भाषा है, जिसमें विज्ञान लेखन की पर्याप्त क्षमता है। उन्होंने विज्ञान विषय पर केन्द्रित अपनी कविता का पाठ किया।

डॉ0 अमिता दुबे, प्रधान सम्पादक, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवं संगोष्ठी में उपस्थित समस्त साहित्यकारों, विद्वत्तजनों एवं मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त किया गया।

भाषा विश्वविद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस

लखनऊ। खघ्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर खघ्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में हिन्दी फीचर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग में विद्यार्थियों के द्वारा फीचर लेखन के माध्यम से हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फीचर लेखन में प्रथम पुरस्कार खुशी तिवारी, द्वितीय पुरस्कार आरती शुक्ला और तृतीय पुरुस्कार मेहर जमाल ने प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की समन्वयक एवं विषय प्रभारी डॉ रुचिता सूजय चौधरी ने हिंदी भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी भारत की एकता की मजबूत कड़ी है। हिंदी को सिर्फ भाषा नहीं कहा जा सकता है ब्लकि यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है। यह हम भारतवासियों को एक–दूसरे से जोड़ने का काम करती है। वहीं इस प्रतियोगिता के संयोजक डॉ शचीन्द्रनाथ शेखर ने कहा कि हिन्दी हमारी पहचान का मजबूत आधार है। इसको सिर्फ भाषा के रूप में देखना बहुत ही छोटा दृष्टिकोण होगा। साथ ही इस अवसर उपस्थित सह–संयोजक डॉ काजिम रिजवी ने साझा किया कि हिन्दी हमारे भावों की अभिव्यक्ति है और हमारी मातृ भाषा है। जिस पर हमें गर्व होना चाहिए। प्रतियोगिता में जज के भूमिका में जनसंचार एवम पत्रकारिता विभाग के शोधार्थी अंजली वर्मा और कोमल केसरवानी रहीं। प्रतियोगिता के दौरान सुश्री चितवन मिश्रा, मोहसिन हैदर सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने आगरा में जलभराव की समस्याओं के समाधान के लिए गांवों का दौरा किया

लखनऊ। प्रदेश के होमगार्ड्स विभाग और नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने शनिवार को आगरा का दौरा किया। मंत्री प्रजापति ने जलभराव की समस्याओं का समाधान करने के लिए विकास खंड खन्दौली के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पैतखेड़ा, पर्वतपुर, सोरई, सोनिगा, भूडनगरिया और हाजीपुर खेड़ा का निरीक्षण किया।मंत्री ने इन गांवों में जलभराव की गंभीर स्थिति का गहराई से मूल्यांकन किया और ग्रामीणों से उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पाया कि हाल की बारिश के कारण सड़कों और खेतों में अत्यधिक जलभराव हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। धर्मवीर प्रजापति ने स्थानीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव की समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने पानी की निकासी के लिए आवश्यक उपायों को प्राथमिकता देने और समस्या की जड़ तक पहुंचने के लिए स्थायी समाधान निकालने की सलाह दी।मंत्री ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा और उन्होंने गांववासियों से सहयोग की अपील की। साथ ही, उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया और भविष्य में ऐसी समस्याओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। रविवार को मंत्री धर्मवीर प्रजापति कुल्हाड़ा आश्रम थाना खैरागढ़, जनपद आगरा में जलभराव की समस्याओं के दृष्टिगत गांवों का दौरा करेंगे। इसके बाद वे ग्राम जाजऊ वि०ख० सैंया, थाना सैंया जनपद आगरा में भी जलभराव की समस्याओं की समीक्षा करेंगे। मंत्री प्रजापति ग्राम हिरोड़ा–बैरिया, वि०ख० सैंया, थाना सैंया जनपद आगरा में भी जलभराव की समस्याओं के समाधान के लिए गांवों का दौरा करेंगे और टेंट में विस्थापित पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित करेंगे।

प्रधानमंत्री ने एक व्यावहारिक भाषा के रूप में हिन्दी को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया– मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी को सम्बोधित किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिन्दी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिन्दी देश को जोड़ने वाली एक व्यावहारिक भाषा है। देश की बहुसंख्यक आबादी राजभाषा हिन्दी को जानती, पहचानती और समझती है। हिन्दी का मूल देववाणी संस्कृत से है। दुनिया की जितनी भी भाषाएं और बोलियां हैं, उनके स्रोत देववाणी संस्कृत से जुड़ते है। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश को जोड़ने के लिए एक व्यावहारिक भाषा के रूप में हिन्दी को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है। यह अत्यन्त अभिनंदनीय कार्य है।

मुख्यमंत्री जी आज दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषय पर आयोजित 02 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने डॉ0 पद्मजा सिंह की पुस्तक 'नाथपंथ का इतिहास', श्री अरुण कुमार त्रिपाठी की पुस्तक 'नाथपंथ की प्रवेशिका' तथा गोरक्षनाथ शोध पीठ की अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'कुण्डलिनी' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय परिसर में दिव्यांगजन द्वारा संचालित कैण्टीन का शुभारम्भ किया। उन्होंने सभी को हिन्दी दिवस की बधाई दी। उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ शोधपीठ, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और भाषा विभाग के अन्तर्गत हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज को अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की यह संगोष्ठी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने निज भाषा के विषय में कहा था कि 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।' अगर हमारे भाव और हमारी भाषा स्वयं की नहीं है, तो हमारी प्रगति हर स्तर पर बाधित होगी। इस बाधा को हटाने के लिए देश में आजादी के आन्दोलन से लेकर उसके बाद हिन्दी की उन्नति के लिए विभिन्न कार्य किये गये। इस दिशा में नए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। विभिन्न संस्थाओं को मिलकर इस अभियान को पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मेडिकल और इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम भी हिन्दी में संचालित किये जा रहे हैं। इस दिशा में लोगों के मन में एक भाव उत्पन्न हुआ है। पहले दुनिया के राजनयिकों से अंग्रेजी या उनकी भाषा में संवाद बनाया जाता था। आज जब विभिन्न देशों के राजनयिक हमारे देश में आते हैं, तो वह हिन्दी के माध्यम से हमसे संवाद बनाना चाहते हैं। यह हम सभी को एक नए भारत का दर्शन कराता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के संतों की परम्परा सदैव जोड़ने की रही है। प्राचीन काल से ही भारत की ऋषि परम्परा ने समतामूलक समाज को महत्व दिया है। केरल में जन्मे एक संन्यासी आदिशंकर ने भारत के चार कोनों में चार पीठों की स्थापना की। जब आचार्य शंकर अपने अद्वैत ज्ञान से परिपूर्ण होकर आगे की साधना के लिए काशी आए, तो साक्षात भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेनी चाही। प्रातःकाल जब आदिशंकर गंगा स्नान के लिए जाते हैं, तो सबसे अछूत कहे जाने वाले चाण्डाल के रूप में भगवान शंकर उनके मार्ग में खड़े हो जाते हैं। आदिशंकर चाण्डाल से अपने मार्ग से हटने के लिए कहते हैं। चाण्डाल आदिशंकर से कहते हैं कि आप स्वयं को अद्वैत ज्ञान का मर्मज्ञ मानते हैं। आप किसको हटाना चाहते हैं। आपका ज्ञान क्या इस भौतिक काया को देख रहा है या इसके अन्दर बसे हुए ब्रह्म को देख रहा है। अगर ब्रह्म सत्य है, तो जो ब्रह्म आपके अन्दर है, वही ब्रह्म मेरे अंदर भी है। इस ब्रह्मसत्य को जानकर यदि आप इसे ठुकरा रहे हैं, तो आपका ज्ञान सत्य नहीं है।

आदिशंकर एक चाण्डाल से ऐसी बात सुनकर आश्चर्यचकित थे। उन्होंने चाण्डाल से पूछा कि आप कौन हैं। तब चाण्डाल ने उत्तर दिया कि जिस ज्ञानवापी की साधना के लिए आदिशंकर केरल से काशी आए हैं, वह इसका साक्षात स्वरूप विश्वनाथ हैं। आदिशंकर भगवान शिव के समक्ष नतमस्तक होते हैं। उन्हें यह ज्ञान भी होता है कि भौतिक अस्पृश्यता साधना के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा है। यह राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की भी सबसे बड़ी बाधा है। यदि इस बाधा को हमारे समाज ने समझा होता, तो यह देश कभी भी गुलाम नहीं होता।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की संत परम्परा ने कभी भी छुआछूत और अस्पृश्यता को महत्व नहीं दिया। उन्होंने हमेशा समरस समाज पर जोर दिया है। संत रामानन्द ने भारत की उपासना विधि की एक विशिष्ट पद्धति को आगे बढ़ाया। उन्होंने भी छुआछूत और अस्पृश्यता को महत्व नहीं दिया। उनका जोर उस समय के समाज को जोड़ने पर था। संत रविदास और संत कबीर उनके शिष्य बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की नाथ परम्परा ने जाति, मत, मजहब, क्षेत्र तथा भाषा का कभी भी अनादर नहीं किया, बल्कि सभी को सम्मान दिया और सभी को जोड़ने का प्रयास किया। यह आध्यात्मिक के साथ ही व्यावहारिक उपासना पद्धति है। इसने एक और काया की शुद्धि पर ध्यान दिया और उसके माध्यम से आध्यात्मिक उन्नयन का मार्ग प्रशस्त किया। दूसरी ओर समरस समाज के माध्यम से प्रत्येक तबके को अपने साथ जोड़ने का काम भी किया। समाज को जोड़ने, उसे आध्यात्मिक उन्नयन प्रदान करने एवम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए गुरु गोरखनाथ द्वारा रचे गए सबद, दोहे एवं पद आदि हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु गोरखनाथ के सामाजिक अवदान का उल्लेख मलिक मोहम्मद जायसी ने अपने ग्रंथ पद्मावत में किया है। अपनी रचना पद्मावत में मलिक मोहम्मद जायसी ने कहा कि 'बिनु गुरु पंथ न पाइए, भूलै से जो भेंट। जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंट।' संत कबीर ने कबीर ग्रंथावली में गुरु गोरखनाथ की योग पद्धति के बारे में कहा कि 'गोरख सोई ग्यान गमि गहै, महादेव सोई मन को लहै। सिद्ध सोई जो साधै ईती, नाथ सोई जो त्रिभुवन जती।' संत तुलसीदास इससे भी आगे बढ़कर कहते हैं कि 'गोरख जगायो जोगू, भगति भगायो लोगू।' उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण संत साहित्य परम्परा में महायोगी गोरखनाथ की परम्परा का दर्शन होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हिन्दी साहित्य की परम्परा संत साहित्य से आगे बढ़ती है। संत साहित्य की आधारशिला महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य है। इस पर शोध और ऐसे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

गुरु गोरखनाथ जी के सबद और पद का संकलन हिन्दी साहित्य के विद्वान डॉ0 पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल ने 'गोरख बानी' के रूप में किया है।

उन्हें इसके लिए हिन्दी की पहली डि0लिट की उपाधि भी प्राप्त हुई है।

पर्यटन विभाग ने जारी किया आंकड़ा, प्रदेश में घूमने के लिए आए 33 करोड़ पर्यटक

उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर पर्यटनहब के रूप में उभरा-जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में फिर नया कीर्तिमान रचने के लिए तैयार है। मौजूदा वर्ष के बीते छह माह में लगभग 33 करोड़ पर्यटकों ने यहां का रुख किया। अयोध्या ने काशी को भी पीछे छोड़ दिया। यहां छह माह में लगभग 11 करोड़ लोग पहुंचे। वर्ष 2022 में प्रदेश में जितने पर्यटक आए थे, उससे एक करोड़ से भी अधिक इस वर्ष शुरुआती छह माह में पहुंचे। इसी तरह, वर्ष 2023 के शुरुआती छह माह में आए पर्यटकों की संख्या से 13 करोड़ से भी अधिक है।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में हाल के वर्षों में पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ा है। इस वर्ष अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद पर्यटकों का आगमन तेजी से बढ़ा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि छह माह में कुल 32 करोड़ 98 लाख 18 हजार 122 पर्यटक यूपी में भ्रमण के लिए आए, जबकि वर्ष 2022 में पूरे एक वर्ष में लगभग 31 करोड़ 86 लाख पर्यटक आए थे। इसी तरह बीते वर्ष के शुरुआत छह माह में 19 करोड़ 60 लाख 34 हजार 967 पर्यटक आए थे। यानी बीते वर्ष की तुलना में इस साल 13 करोड़ 37 लाख 83 हजार 155 पर्यटक अधिक आए थे। इस वर्ष उत्तर प्रदेश आने वाले कुल पर्यटकों में 32 करोड़ 87 लाख 81 हजार 348 घरेलू, जबकि 10 लाख 36 हजार 774 विदेश से आए पर्यटक हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश में सबसे ज्यादा पर्यटक अयोध्या पहुंचे हैं। छह माह में 109969702 घरेलू, 2851 विदेशी यानि कुल 109972553 पर्यटक आए थे। वाराणसी में 45982313 घरेलू 133999 विदेशी 46116312 कुल पर्यटक आए। प्रयागराज में 45394772 घरेलू 3668 विदेशी 45398440 कुल पर्यटक आए। मथुरा में 30702513 घरेलू 49619 विदेशी 30752132 कुल पर्यटक आए। लखनऊ में 3506981 घरेलू 7108 विदेशी 3514089 कुल पर्यटक आए। आगरा में6984352 घरेलू और 703860 विदेशी अर्थात कुल 7688212 पर्यटक आए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि, श्उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यहां निरंतर पर्यटन स्थलों और पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

न्यायपालिका का कार्यपालिका के साथ मिलना लोकतंत्र के लिए खतरनाक – शाहनवाज आलम

लखनऊ। अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय,लखनऊ पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी में नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम का स्वागत कार्यक्रम किया गया! सभी पदाधिकारीगणों की उपस्थिति में अल्पसंख्यक समाज से जुड़े हर मुद्दे पर शाहनवाज आलम जी के संघर्ष और वैचारिक राजनीति की मुहिम की सभी ने सराहना किया! भाजपा सरकार में न्यायपालिका के एक हिस्से का पूरी तरह सरकार के साथ खड़े दिखना लोकतंत्र को खत्म कर तानाशाही थोपने की साजिश का हिस्सा है. संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता भाजपा सरकार में खत्म हो गयी है. ये बातें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम ने अल्पसंख्यक कांग्रेस द्वारा कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर आयोजित स्वागत सम्मेलन में कहीं! उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सामाजिक न्याय और 90: लोगों के हक और अधिकार की लड़ाई को और मजबूती से आगे बढायेगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संगठन महासचिव अनिल यादव ने अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर वैचारिक राजनीति में उनके बेहतरीन योगदान के लिए तारीफ किया और आगे बिहार राज्य में बेहतर करने की शुभकामनायें दिया! प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि पार्टी ने जो वैचारिक दिशा तय किया है उसमें उत्तर प्रदेश और बिहार सबसे महत्वपूर्ण है!उन्होंने नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम के बारे में कहा कि वह कांग्रेस के विचार को और सामाजिक न्याय और 90: आबादी के हक और अधिकार के लिए लगातार आवाज उठाई। ओबीसी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने सभी वैचारिक और सामाजिक समानता की सोच रखने वाले युवा नेताओं को को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर साफ कर दिया है कि संगठन सामाजिक समानता के मुद्दे पर ही आगे बढ़ेगी।

उच्च न्यायालय इलाहाबाद, लखनऊ में आयोजित

राष्ट्रीय लोक अदालत में 53 वाद निस्तारित

लखनऊ। वरिष्ठ न्यायमूर्ति ए0आर0 मसूदी, अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा उपसमिति, लखनऊ की अध्यक्षता में शनिवार को उच्च न्यायालय इलाहाबाद, लखनऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

इस लोक अदालत में सुलह समझौते के मध्यम से 53 वाद निस्तारित किए गए और (रू0 20809939.50) दो करोड़ आठ लाख नौ हजार नौ सौ उनतालिस रूपये और पचास पैसे का मुआवजा दिलाया गया। उक्त जानकारी निबधंक (जे.)(स्टेशनरी)ध्सचिव उच्च न्यायालय विधिक सेवा उपसमिति इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ मनोज पाण्डेय द्वारा दी गयी।

मेरी जीत ऐतिहासिक जीत थी,संघर्ष से मैं विचलित नहीं होता –सुशील सिन्हा

सुधीर सिन्हा,प्रयागराज। महज साढ़े आठ महीनों में कायस्थ समाज के हितों के लिए मेरे द्वारा कराए जा रहे ताबड़ तोड़ कार्य को देख कर चंद विपक्षी लोग मुझे देखना पसंद नहीं कर रहे हैं और उनकी आंखों में मैं खटकने लगा हूं।यहीं नहीं एक दूसरे को नीचा दिखाने वाले लोग अब एक दूसरे से हांथ मिलाकर मुझे ही नीचा दिखाने का कुचक्र रच रहे हैं ।बावजूद इसके में विचलित नहीं हूं और पूरी निष्ठा ,ईमानदारी के साथ अपने कार्य का निर्वहन कर रहा हूं । मैं न तो डरा हूं न रुका हूं न ही रुकूंगा और न ही थकूंगा।कायस्थ पाठशाला के हित में निरंतर कार्य करता रहूंगा क्योंकि मैं कायस्थ परिवार के लिए एक एक सदस्य को जोड़ने के लिए कृत संकल्प हूं।मेरी जीत ऐतिहासिक जीत थी और में संघर्ष से विचलित नहीं होता।ये उद्गार हैं कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉक्टर सुशील सिन्हा के जो शनिवार को एक स्थानीय होटल में मीडिया कर्मियों से रूबरू होकर उनके सवालों का जवाब दे रहे थे।उन्होंने अपने साढ़े आठ महीनों की अल्प अवधि में कराए गया विकास कार्यों को भी सभी के सामने खुलकर बताते हुवे विपक्षियों पर जमकर प्रहार करते हुवे संस्था के रूल्स की दो प्रतियों का हवाला देते हुवे कहा कि मेरे सत्तासीन होने के पूर्व के लोगों ने फर्जी रूल्स बनाकर आम जनता को भी ठगने का कार्य किया है उन्होंने एक तरह की दो प्रतियों को पटल पर रखते हुवे कहा कि 29अक्टूबर 2017के रूल्स में बदलाव है।एक तो जो रजिस्ट्रार सोसाइटी में 48ए जमा किया गया है और ठीक उसी की नकल से दूसरा आम जनता को बेवकूफ बनाने के लिए 48ए बनाया गया है जो पूरी तरह से फर्जी है।अब सवाल ये उठता है कि मार्च 2018 में भी ये रूल्स दिए गए हैं अब सवाल ये उठता है कि इनमे से सही कौन सा है।वहीं दो तरह के रूल्स समाज को देना गलत है।यही नहीं उन्होंने अपनी बातों को रखते हुवे कहा कि मैने जब जनवरी 2024 में कार्यभार ग्रहण किया और कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट का कायाकल्प करने में जुटा तो मेरी रह में रोड़ा अटकाने के लिए जीएस्टी का छापा डलवाया गया और तमाम सारे वित्तीय रिकार्डों को सीज कर दिया गया।यहीं नहीं केपी कॉलेज में 10लाख के बिजली का बिल बकाया होने के चलते बिजली तक काट दी गई।कई भवनों और संस्थानों में भारी गृहकर और जलकर बकाया होने के चलते नगर निगम ने इन्हें सीज करने की कार्यवाही कर दी।उन्होंने कहा कि लगभग 50 करोड़ का जलकर,गृहकर,बिजली का भुगतान की तलवार अभी लटक रही है।यही नहीं पूर्व अध्यक्ष में सी एम पी डिग्री कॉलेज,के पी कॉलेज,के पी कमयूनीटी की बिल्डिंग भी खस्ता हाल हो गईं ।यही नहीं पूर्व अध्यक्ष ने चुनाव हारने के बाद बीते दिनों कायस्थ भवन के साथ ही छीतपुर की कई जमीनें लोगों को आबंटित करने का अनुबंध तक कर दिया । पूर्व अध्यक्षों द्वारा अपने स्वार्थ के लिए गए इस कार्य के चलते वहां पर हो रहे अवैध निर्माण को महामंत्री एवम अन्य अधिकारियों ने अभी हाल प्रशासन ले मदद से रुकवाया गया।मेरे कार्यों में रुकावट डालने के लिए उन लोगों ने ट्रिब्यूनल ने चुनाव याचिका भी लगा दिया,उपजिलाधिकारी कोर्ट में भी हर तीसरे दिन इलेक्शन पिटीशन की तारीख लगवाई जाने लगी। बावजूद इसके मैं विचलित नहीं हुवा और विपरीत परिस्थितियों के बाद भी वर्तमान कार्यकारिणी के साथ अधिकांश साथियों के साथ मिलकर मैं अपने कार्य को अंजाम देने में पूरी शिद्दत के साथ जुटा हुवा हूं।कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉक्टर सुशील सिन्हा ने विपक्ष को घेरते हुवे कहा कि पूर्व की कार्यकारिणी के अनेकों गलत फैसले लिए जिनके कारण विगत कई दशकों से गृहकर,जलकर,बिजली के बिल करोड़ों की संख्या में बकाया थे जिनकी वजह से नगर निगम द्वारा भवन सील किए गए उनकी बिजली कटी गई इन सबका मैने जब समाधान कर भवनों को छुड़ाया तो लोगों को बुरा लगने लगा।डॉक्टर सिन्हा यहीं नहीं रुके विपक्ष पर उन्होंने ताबड़ तोड़ हमले करते हुवे कहा कि कुछ लोगों ने अपने को कायस्थों का मसीहा मन लिया और अपने को मठाधीश समझते हुवे कास्यथ पाठशाला को अपनी मुठ्ठी में बंद कर रखा था बावजूद जनता ने बदलाव चाहा और मुझे इस बार अध्यक्ष के रूप में चुना ताकि मैं जानता की सेवा कर सकूं और कायस्थ पाठशाला में विद्यालय हो सके और कायस्थ पाठशाला शिक्षा के लिए जाना जाय न कि शादीघर के रूप में।सबसे महत्वपूर्ण विषय ये है कि प्रातः स्मरणीय मुंशी काली प्रसाद कुल भास्कर जी का जो वित्त एवम उद्देश्य था कि कायस्थ समाज के लिए उत्तम शिक्षा व्यवस्था के साथ ही समाज की विधवाओं को आर्थिक मदद के साथ ही जो गरीब और शोषित थे उनके बच्चों को पढ़ाई के दौरान छात्र मिल सके इसके लिए में समस्त कायस्थ समाज को जोड़ने का पूरा प्रयास कर रहा हूं ।अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को इन्होंने सिरे से खारिज करते हुवे कहा कि विपक्ष जानबूझकर मेरे कार्यों में रुकावट डालने के उद्देश्य से उल्टे सीधे आरोपों को लगा रहा है जो बेबुनियाद हैं।मेरे साढ़े आठ माह के कार्यकाल में लगभग 500 लोगों को सदस्य भी बनाया जा चुका है इसके साथ ही ट्रस्टियों के लिए चित्रगुप्त धर्मशाला के निर्माण कार्य के लिए एम एल सी डॉक्टर के पी श्रीवास्तव ने 10 लाख रुपए देकर प्रारंभ कराया,कायस्थ पाठशाला को यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल सके इसके लिए लखनऊ में शिलान्यास कराया गया,एक बड़े मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के निर्माण के लिए सी एम पी के सामने वाली जमीन को खाली करने का कार्य प्रगति पर है।इन सब के साथ बहुत सारी योजनाएं पर कार्य शुरू करा दिया गया है।इन सब प्रगति को विपक्ष पचा नहीं पा रहा है और अब मेरे ही खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर लोगों से हस्ताक्षर करवाया जा रहा है क्योंकि येक्सब नहीं चाहते कि ट्रस्ट आमलोगों का हो क्योंकि ट्रस्ट को ही इन लोगों ने अपनी रोजी रोटी बना रखी थी।इन्होंने उपस्थित लोगों से अपील करते हुवे कहा कि मुझे आप लोगों का आशीर्वाद चाहिए ताकि मैं सच्चाई के मार्ग पर चलते हुवे समस्त कुचक्रो से मोर्चा ले सकूं और कायस्थ पाठशाला को उत्तम प्रबंधन से मुंशी काली प्रसाद सहित सभी दान दाताओं की इक्षा के अनुरूप जन सेवा में अपना शेष जीवन अर्पित कर सकूं।

बेहतरीन सोच ने अपने समाज के लोगों की भलाई के लिए प्रयागराज में एक शैक्षणिक समिति का गठन कर समाज ही नही बल्कि देश के बच्चों का भविष्य संवारने के लिए जिस ट्रस्ट की स्थापना की थी वो एशिया का कायस्थ समाज का सबसे बड़े ट्रस्ट ष्कायस्थ पाठ शाला ट्रस्टष् है जो अब शायद हितैषी गुटबाजी का शिकार हो गया है।वहीं 18मतों के अंतर से चुनाव जीत कर डॉक्टर सुशील सिन्हा इस बार ट्रस्ट के अध्यक्ष चुने गए। अध्यक्ष बनने के बाद डॉक्टर सुशील सिन्हा ने समाज के उत्थान को लेकर कुछ बेहतर प्लान बना कर उसे अमल में लाने का कार्य शुरू ही किया था कि विपक्षी खेमा इनकी कार्य शैली को लेकर नाराज हो उठा।बावजूद इसके एकला चलो की तर्ज पर वो बिना किसी की प्रवाह किए अपने कार्य को अंजाम देने में लगे रहे।वहीं अध्यक्ष की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाते हुवे कायस्थ पाठशाला के पूर्व महामंत्रीध्वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने बुधवार को बकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कही।उनका कहना है कि मेरे परिवार ने कायस्थ पाठशाला के विकास को लेकर 13सालो से विकास कार्य को किया है इन्होंने साफ किया कि रूल 51के तहत केपी कम्यूनिटी सेंटर,मेजर रंजीत सिंह स्पोर्ट्स कांप्लेक्स की एक प्रबंध समिति के गठन का प्राविधान है,जिसमे पिछले अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह और वातमान अध्यक्ष डॉक्टर सुशील सिन्हा और महामंत्री संयोजक के रूप में नामित होने चाहिए मगर चुनाव संपन्न हुवे आठ से नौ माह बीत गए ये कार्य नहीं हो पाया।इन्होंने आरोप लगाते हुवे कहा कि यही नहीं नियम 49 के तहत पूर्व अध्यक्ष और महामंत्री कायस्थ पाठशाला की कार्यकारिणी के न केवल आजीवन सदस्य होंगे बल्कि हर प्रस्ताव के पूर्व उनके अनुभवों के तहत मत देने का अधिकार भी है परंतु किसी भी पूर्व अध्यक्ष को कार्यकारिणी के आयोजन की न तो कोई जानकारी दी जाती है और न ही कोई एजेंडा भेजा जाता है बस मनमाने तरीके से कार्य किया जा रहा है ।मीडिया कर्मियों को जानकारी देते हुवे कुमार नारायण ने कहा कि कायस्थ पाठशाला न्यास दो दानवीरों का इतिहास है और दान ही इसका मुख्य आय का साधन है आज इसको समाप्त किए जाने की कोशिश की जा रही है।जिससे लोगो में रोष व्याप्त है।

वहीं इस विषय को लेकर जब डॉक्टर सुशील सिन्हा से वार्ता की गई तो उन्होंने जानकारी देते हुवे बाताया कि डेढ़ सौ साल पुराने इस ट्रस्ट में आज मात्र 33514लोग ही मेंबर बनाए जा सके हैं।इसका एक मात्र कारण शायद लोगों को साथ नहीं लेकर चला गया ।इसके चलते आज कायस्थ पाठशाला के हितेषी खुद ही गुट बाजी का शिकार हो गए हैं।यहीं नहीं डॉक्टर सिन्हा का साफ कहना है कि मैने कास्यस्थ समाज की भलाई के लिए जो कदम उठाया है उससे पीछे नहीं हटूंगा क्योंकि मैने उनके बीच जाकर उनकी समस्याओं को जाना है और उनके लिए ही बेहतर कार्ययोजनाओ को अमली जामा पहनाया जा रहा है।उन्होंने जानकारी देते हुवे कहा कि एक बड़े अस्पताल के प्रोजेक्ट पर कार्य चल रहा है ताकि जो ट्रस्ट के सदस्य हैं उनका उचित रेट यानी 50:के खर्चे पर इलाज सुलभ हो सके यही नहीं एक डायग्नोस्टिक सेंटर भी समाज के लोगों के साथ ही अन्य लोगों की भलाई के लिए बनाया जा रहा है।बच्चों की बेहतरीन शिक्षा के लिए एक नए सी बी एस सी बोर्ड का स्कूल खुलने जा रहा है इनके साथ ही कई अन्य कार्य हैं जिस पर कार्य चल रहा है।बावजूद इसके कुछ लोग सिर्फ राह में रोड़ा अटकाने का कुचक्र रचने में लगे हुवे हैं जिनकी मैं परवाह नही करता।इनका भी साफ कहना है कि जितने भी दिनों तक अपने पद पर रहूंगा पूरी ईमानदारी के साथ अपने कार्य को अंजाम देता रहूंगा।

जौनपुर – जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र ने कार्यभार संभाला

जय प्रकाश मिश्रा जौनपुर

जौनपुर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादड़ स्थानांतरण प्रयागराज के लिए कर दिया गया है। उनके स्थान पर नये जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र होंगे। नये जिलाधिकारी ने षनिवार को कोषागार में कार्यभार ग्रहण कर लिया और अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और कलेक्ट्रेट का भ्रमण किया।

दिनेश चंद्र जिले के 59 वे जिलाधिकारी होंगे। रविंद्र कुमार का सात महीना 12 दिन का कार्यकाल रहा। सहारनपुर में जिलाधिकार का कार्यभार संभाल चुके चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास विभाग उ.प्र. शासन के विशेष सचिव रहे डॉ. दिनेश चंद्र 2012 बैच के आईएएस हैं। वह डीएम बहराइच के पद पर भी रह चुके हैं। दिनेश चंद्र 5 नवम्बर 2018 को अलीगढ़ में बतौर मुख्य विकास अधिकारी के पद पर तैनात थे। 15 फरवरी 2019 तक वह इस पद पर बने रहे।

इसके बाद वह गाजियाबाद में नगर निगम के नगर आयुक्त बनाए गए। 15 अगस्त 2020 तक वह इस पद पर बने रहे। इसके बाद उन्हें 15 अगस्त 2020 को कानपुर देहात का डीएम बनाया गया। 02 मार्च 2021 तक उन्होंने इस पद को संभाला इसके बाद शासन ने उन्हें संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश का विशेष सचिव नियुक्त किया। 02 मार्च 2021 से 05 जून 2021 तक वह इस पद पर तैनात थे।इसके बाद शासन ने उन्हें 05 जून 2021 को बहराइच का डीएम नियुक्त किया। 19 मई 2023 तक वह बहराइच के डीएम रहे इसके बाद 19 मई 2023 को उन्हें सहारनपुर का डीएम बनाया गया। 25 जून 2024 तक वह इस पद पर रहे। इसके बाद शासन ने उन्हें 25 जून 2024 को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग लखनऊ का विशेष सचिव बनाया।वह इस पद पर बने रहे। 13 सितंबर 2024 की रात को उन्हें जौनपुर के नए जिलाधिकारी के रूप में शासन द्वारा भेज दिया गया। 1 जुलाई 1966 को जन्मे डॉ. दिनेश चंद्र मूल रूप से बिजनौर जिले के रहने वाले हैं।

टीम इंडिया में चयन पर हिमांशु के परिजन से मिले कांग्रेस जिलाध्यक्ष, किया सम्मानित

सुल्तानपुर (आरएनएस)। टीम इंडिया में सेलेक्शन के बाद हिमांशु सिंह के परिजनों से मिलने कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा पहुंचे , जहां उन्होंने हिमांशु सिंह के पिता वीर सेन सिंह को अंग वस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। ज्ञात हो कि जनपद के मोतिगरपुर ब्लाक के अंतर्गत ग्राम सभा खरकपुर चौहानपुर निवासी हिमांशु सिंह का विगत दिनों टीम इंडिया में सेलेक्शन हुआ है, हाल ही में होने वाले बांग्लादेश में टेस्ट सीरीज के लिए सुल्तानपुर के हिमांशु सिंह को चयनित किया गया। वही हिमांशु सिंह को टीम इंडिया में चयनित किए जाने पर उनके गांव व परिजनों के साथ–साथ जनपद वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। शनिवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा पार्टी के दर्जनों नेताओं के साथ मोतिगरपुर ब्लॉक अंतर्गत खरकपुर गांव पहुंचे जहां उन्होंने हिमांशु सिंह के पिता वीर सेन सिंह व बड़े पिता भीम सेन सिंह से मुलाकात की और उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उनके पिता वीर सेन सिंह ने बताया कि हिमांशु सिंह बचपन से ही क्रिकेट के प्रति रुचि रखते थे। हिमांशु सिंह मोतिगरपुर में पांचवी कक्षा तक पढ़ाई की फिर शहर के केएनआईसी में पढ़े उसके बाद मुंबई के अल्बरकत से आगे की पढ़ाई की। तीन भाइयों में हिमांशु सिंह जुड़वा है, एक भाई एलएलबी कर रहा है दूसरा दिवयान्शु अंडर 16 मुंबई टीम से खेल चुका हैं। हिमांशु 2015 में सुल्तानपुर डीसीए सचिव व क्रिकेटर असद अहमद के संपर्क में आए थे। आज

बेटे हिमांशु सिंह की मेहनत और लगन जो उन्होंने परिश्रम किया आज उसका फल उन्हें मिला है मुझे बहुत खुशी है कि मेरे बेटे का बांग्लादेश में होने वाले टेस्ट सीरीज में चयनित किया गया है। वही मुलाकात के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि आज हिमांशु सिंह ने सुल्तानपुर के लोगों को गौरवान्वित किया है। बेहद कम उम्र में हिमांशु सिंह का टीम इंडिया में सिलेक्शन होना यह जनपद वासियों के लिए गर्व की बात है। आज हम लोगों ने हिमांशु सिंह के परिजनों से मुलाकात की और उनके पिता वीर सेन सिंह व बड़े पिता भीम सेन सिंह को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। वहीं उन्होंने कहा कि हिमांशु सिंह जनपद ही नहीं प्रदेश के साथ–साथ पूरे देश का नाम रोशन करें यही मेरी शुभकामनाएं हैं। इस मौके पर जयप्रकाश पाठक, माता प्रसाद,शिवपूजन सिंह, प्रदीप सिंह, अशोक वर्मा, शिवम पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग ने हिंदी दिवस पर आयोजित किया संगोष्ठी और सम्मान समारोह

प्रयागराज । जनपद में हिंदी साहित्य सेवा की उच्चतम संस्था हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ने हिंदी दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी और सम्मान सभा का आयोजन किया जिसके मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज सौरभ श्याम शमशेरी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रयागराज के महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग पूर्व अध्यक्ष प्रो कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने की। हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान मंच पर अथितियों के साथ हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग के प्रधानमंत्री कुंतक मिश्र और प्रचार मंत्री डॉ सचिन मिश्र उपस्थित रहें। उक्त अवसर पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्र छात्राओं को न्यायमूर्ति हाईकोर्ट द्वारा संस्थान के सौजन्य से सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण साहित्य महोपध्याय की मानद उपाधि अलंकरण रहा जिसके अंतर्गत साहित्य के जाने माने पांच विभूतियों को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया जिनमें मुख्य रूप से गिरिजा शंकर शुक्ल गिरीश जिनकी पुस्तक पिघली बर्फ बहुचर्चित रही। प्रयागराज में जन्मे गिरीश ने अपनी सेवा मध्य प्रदेश में दी। डॉ दिनेश चंद्र अवस्थी, लखीमपुर खीरी में जन्मे जिनकी कुंडलियां बहुचर्चित हुआ। डॉ दिनेश पेशे से अधिवक्ता और सचिवालय लखनऊ से जुड़े रहें। डॉ सुशील कुमार पाण्डेय गोरखपुर से, जो संस्कृत प्रोफेसर रहें और उनका अगस्त्य महाकाव्य, शब्द कहे आकाश दोहा संग्रह और अन्य रचना काफी चर्चित रहें। डॉ अखिलेश निगम अखिल, लखनऊ में जन्मे और वही पुलिस उप महानिरीक्षक पद पर तैनात है। उनकी पुस्तकों में उत्तर देगा कौन, गिरमिट कहानी संग्रह इत्यादि काफी चर्चित रही और डॉ रामानंद शर्मा, जो हापुड़ से है और हिंदी विभाग मुरादाबाद में कार्यरत रहें। इन पांचो को अलंकृत करते हुए हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग गर्व का अनुभव कर रहा था। संस्था के हाल में हिंदी प्रेमियों, छात्रों सहित पत्रकार एवं मिडिया विश्लेषक पंकज सीबी मिश्रा, पवन सूर्यवंशी, अजय कुमार सहित प्रयागराज के तमाम भाषाप्रेमी और सम्मानित जन उपस्थित रहें। कार्यक्रम में जौनपुर सिकरारा के साहित्यकार गिरीश श्रीवास्तव की पुस्तक का लोकार्पण हुआ जबकि वाराणसी की संस्था ब्रह्मराष्ट्र एकम् ने मंचासीन अतिथियों और न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी को संस्था के दुपट्टा और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। आपको बता दें की हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग की स्थापना पंडित मदन मोहन मालवीय ने की थी।

सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा आयोजित तीन दिवसीय किड्स बोनान्जा सम्पन्न

लखनऊ, 14 सितम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा सी.एम.एस. कानपुर रोड आडिटोरियम में आयोजित किये जा रहे 'किड्स बोनान्जा के तीसरे व अन्तिम दिन आज प्री–प्राइमरी एवं कक्षा–1 व 2 के छात्रों ने अपनी बहुमुखी का लोहा मनवाया और दिखा दिया कि नन्हें हाथों में गजब की प्रतिभा भरी पड़ी है। प्रतियोगिताओं के उपरान्त पुरस्कार वितरण समारोह में नन्हें–मुन्हें मेधावियों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया।आज आयोजित किये गये प्रतियोगिताओं के विजयी नन्हें–मुन्हें प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। 'एक्स्प्रेशन' प्रतियोगिता में सिटी मोन्टसरी स्कूल, महानगर कैम्पस के छात्र प्रथम स्थान पर रहे तो 'राइम एंड रेन्डिशन'प्रतियोगिता में सिटी मोन्टसरी स्कूल, राजाजीपुरम, प्रथम कैम्पस के छात्रों ने प्रथम स्थान अर्जित किया। इसी प्रकार 'फोक लोर' प्रतियोगिता में सिटी मोन्टसरी स्कूल, गोमती नगर, प्रथम कैम्पस के नन्हें–मुन्हें छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तो 'वर्ल्ड ऑफ ड्रीम्स'प्रतियोगिता में सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। 'लीड द वे'प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस के छात्रों ने जीता।

किड्स बोनान्जा के कुछ प्रमुख प्रतिभागी विद्यालयों में विजयी स्कूलों के अलावा मॉडर्न एकेडमी, आर्मी पब्लिक स्कूल, कॉल्विन पब्लिक स्कूल, वरदान इण्टरनेशनल, लॉ–मार्टिनियर ब्वॉयज कॉलेज, श्री राम ग्लोबल स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेंट्रल एकेडमी, गुरूकुल एकेडमी, सेठ आनन्दराम जयपुरिया स्कूल, सिटी इण्टरनेशनल स्कूल, मानस विहार, द मिलिनियम स्कूल, विब्गोर हाई स्कूल एवं सिटी मोन्टेसरी स्कूल के विभिन्न कैम्पस के छात्र शामिल थे।किड्स बोनान्जा की संयोजिका एवं सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपाली गौतम ने समापन समारोह में बोलते हुए शिक्षा का उद्देश्य बालक के अंदर छिपी शक्तियों तथा क्षमताओं को विकसित करना है। उन्होंने उन सभी विद्यालयों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदी सभी भाषाओं की जननी डा. विक्रमा प्रसाद पांडेय

अयोध्या(आरएनएस)। श्री परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो० विक्रमा प्रसाद पाण्डेय रहे।गोष्ठी के पूर्व हिन्दी माध्यम में कृषि विज्ञान की पुस्तक लेखन हेतु डॉ० जिलाजीत दूबे को अंग–वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि डॉ पांडेय ने हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी भाषा हमारी संस्कृति एवं सभ्यता से जुड़ी हुई है। यह सभी भाषाओं की जननी है। आज हमें हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए अपने परिवार अपने समाज अपने विद्यालय और आसपास के लोगों को भी हिंदी भाषा की महत्ता और उसकी विशेषताओं के बारे में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। गोष्ठी को संबोधित करते हुए राजीव पाठक ने कहा कि विश्व हिंदी दिवस की महत्ता को हम सभी को पहचानना चाहिए और हम सभी को हिंदी बोलने और पढ़ने के साथ अपने दिनचर्या में भी इस्तेमाल करना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ० आर.आर. यादव ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र–छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की समाप्ति पर प्राचार्य डॉ० सुनील कुमार तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ० सुधांशु त्रिपाठी, डॉ० अमरजीत पाण्डेय, डॉ० राकेश शुक्ल, डॉ० सूर्यप्रकाश उपाध्याय, डॉ० दुर्गेश्वरी तिवारी, डॉ० अवन्तिका शुक्ला आदि प्राध्यापकों का योगदान सराहनीय रहा।

खेत की रखवाली कर रहे किसान की सर्पदंश से मौत –भाजपा नेता ने किसान के घर पहुंच कर परिजनों को दिया सांत्वना

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के सहुलारा गांव में एक किसान की सर्प के डस लेने से मौत हो गई, जिससे गांव में कोहराम मच गया गांव निवासी किसान राम लखन अपने खेत में धान की रखवाली कर रहा था, तभी एक सर्प ने उसे डस लिया। परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के चार बेटे हैं और नवंबर में तीसरे नंबर के बेटे की शादी होनी थी, लेकिन उससे पहले ही पिता की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के सहुलारा शुक्ल का पुरवा गांव निवासी किसान राम लखन पुत्र शिवराम 58 वर्ष की बीती रात खेत में छुट्टे मवेशियों से फसल को बचाने के लिए खेत में चारपाई पर लेट कर धान की रखवाली कर रहे थे । विषैले सर्प ने चारपाई पर चढ़कर उसे डस लिया। किसी तरीके से घर पहुंचकर परिजनों को सर्पदंश की जानकारी दी परिजन उसे इलाज के लिए पहले सीएचसी मिल्कीपुर ले गए जहां पर डॉक्टर ने हालात गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। जहां पर इलाज के दौरान किसान की मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया। शव गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक राम लखन के चार बेटे व दो बेटियां हैं बेटियों का विवाह कर दिया है। चार बेटों में से तीसरे नंबर के बेटे मनीष कुमार का विवाह नवंबर में होना आता है। उससे पहले ही सर्पदंश से पिता की मौत हो गई। बेटे परदेस में मेहनत मजदूरी करते हैं, उनके आने के बाद शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा। घटना की जानकारी मिलने के बाद भाजपा नेता चंद्रभान पासवान मृतक किसान के घर पहुंच कर परिजनों को सांत्वना दिया तथा हर संभव प्रशासन से मदद दिलाने का आश्वासन दिया।

मिल्कीपुर में दो दिवसीय प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता का समापन

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। विकासखंड मिल्कीपुर के गहनाग बाबा के बगल खेल मैदान पर चल रही दो दिवसीय प्रधानमंत्री खेलकूद का समापन शनिवार को हुआ।खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद लल्लूसिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल एकजुट का प्रतीक है यहां सभी खिलाड़ी जाति,वर्ग से परे होकर खेलों में हिस्सा लेते हैं। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक गांव में नौजवानों को खेलों से जुड़ना चाहिए। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।खेलों से शारीरिक,मानसिक एवं सामाजिक मजबूती मिलती है।खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन कबड्डी,रस्साकशी एवं वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले खेले गए। कबड्डी के फाइनल मुकाबले में मरुईगनेशपुर की टीम ने कीन्हूपुर को 37–20 से हराया।रस्साकशी के फाइनल में मरेमा ने कीन्हूपुर को हराया।वॉलीबॉल के तीन सीटों के फाइनल मुकाबले में कीन्हूपुर ने कुचेरा को 21–15,21–19 के दो सीधे सेटों में हराते हुए विजेता बनी। मैच रेफरी की भूमिका सरवरे आलम,बृजेश मिश्रा, उत्कर्ष सिंह,वीरेंद्र यादव,मो हुसैन आदि ने निभाई।अन्त में पूर्व सांसद ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल दूबे तथा संचालन रोहित मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा,रामू प्रियदर्शी,जिला पंचायत सदस्य अशोक मिश्रा,बबलू पासी,राधेश्याम त्यागी,चंद्रभानु पासवान,विनय रावत,दीपक पाठक,अजय तिवारी,अर्जुन सिंह,श्याम नारायन पाठक,सुरेंद्र गिरि बाबा,गजेंद्र सिंह गुड्डू,कैलाश जायसवाल,अमित सिंह राजू,कुंवर विपिन सिंह,अमरनाथ बंसल,विजय सिंह राजू,करन कुमार,ऋषभ कुमार,अमित यादव,पंकज कुमार समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

अयोध्या के हर मार्ग को बाधित कर रहे ई-रिक्शा चालक

–नजरबाग से हनुमानगढ़ी मार्ग पर ई–रिक्शा व चार पहिया वाहन प्रतिबन्धित किये जाने की मांग

अयोध्या(आरएनएस)। धार्मिक, पौराणिक महत्व वाली अयोध्या नगरी में श्री राम मंदिर में प्राण– प्रतिष्ठा होने के बाद ई– रिक्शा की बाढ़ सी आ गई है । कम से दस हजार ई–रिक्शा अयोध्या नगरी में श्रद्धालुओं को ढ़ो रहें हैं जो सबसे बड़ी समस्या यातायात के लिए बन चुके हैं। ये ई– रिक्शा चालक श्रद्धालुओं से किराया मनमाने ढंग से वसूलने के साथ विभिन्न मार्गों पर बेतरतीब खड़े रहते हैं जिससे हर गली व सड़क पर जाम लगा रहता है। इस समय सबसे ज्यादा समस्या जगदीश पुर मंदिर के सामने से नजरबाग होकर हनुमानगढ़ी मन्दिर जाने वाले मार्ग पर है। इस मार्ग पर पुलिस बैरियर नहीं लगा है जिसके कारण हजारों ई–रिक्शा व चार पहिया वाहन पूरे मार्ग पर खड़े रहते हैं। श्रद्धालुओं को हनुमानगढ़ी से मात्र पचास मीटर की दूरी तक जाकर श्रद्धालुओं को छोड़ते हैं और इसी सड़क पर घण्टों खड़े रहकर उनके आने का इंतजार करते हैं जिसके कारण पूरी सड़क जाम रहती है। यही हाल सरदार वाली गली का है। कोई आदमी पैदल भी इस मार्ग पर नहीं चल सकता है। आवश्यकता है जगदीश पुर मंदिर के सामने नजरबाग– हनुमानगढ़ी मार्ग पर पुलिस बैरियर लगाये जाने की ताकि कोई भी ई–रिक्शा या चार पहिया वाहन इस मार्ग पर न जा सके।

संपादकीय

छात्र समुदाय का प्रतिरोध उचित

किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिले के लिए राजनीतिक विचार–विमर्श में भाग ना लेने की शर्त कैसे थोपी जा सकती है? किसी विरोध में भाग ना लेने का वचन दाखिले से पहले ही कैसे लिया जा सकता है?भारत में अन्य स्थलों की तरह ही शिक्षा संस्थानों में भी असहमति या विरोध जताना जोखिम भरा हो चुका है, यह आम तुजर्बा है। लेकिन पूर्व शर्त के तौर पर दाखिले से पहले इस पर हामी भरवाना एक नई घटना के रूप में सामने आया है। इसे इस रूप में भी कहा जा सकता है कि अभी तक जो चलन व्यवहार में था, उसे अब लिखित एवं औपचारिक रूप दिया जा रहा है। खबर मुंबई स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस) से है। वहां लागू नए हॉनर कोड के तहत छात्रों को दाखिले से पहले यह वचन देना होगा कि वे किसी ष्याजनीतिक और व्यवस्था विरोधी गतिविधियों तथा देशभक्ति विहीन चर्चाओंष आदि में हिस्सा नहीं लेंगे। वे ऐसे प्रदर्शनों या धरना आदि में भाग नहीं लेंगे, जिनसे संस्थान के ष्शैक्षिक वातावरण में रुकावटष पड़ती हो। हॉनर कोड पर दस्तखत की रवायत 2017 में शुरू की गई थी, जिसमें अब नई शर्तें जोड़ी गई हैं। टिस एक मानित (डीम्ड) विश्वविद्यालय है। इसकी फंडिंग का एक बड़ा हिस्सा टाटा ग्रुप से आता है।

इस संस्थान ने भारत में जातीय एवं अन्य अस्तमिता आधारित विमर्श को फैलाने में अहम भूमिका निभाई है। इससे जनमत के एक बड़े हिस्से में यह धारणा बनी कि यह प्रगतिशील विचारों का वाहक संस्थान है। मगर देश में बदले माहौल का असर वहां भी हुआ। हाल के वर्षों ऐसे कई घटनाएं हुई हैं, जिनसे पुरानी धारणा को चोट पहुंची। बहरहाल, ये सवाल सिर्फ किसी संस्थान विशेष का नहीं है। मुद्दा यह है कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी उच्च शिक्षा संस्थान में दाखिले के लिए राजनीतिक विचार–विमर्श में भाग ना लेने की शर्त कैसे थोपी जा सकती है? साथ ही किसी विरोध में भाग ना लेने का वचन दाखिले से पहले ही कैसे लिया जा सकता है? आखिर किसी भी संस्थान में, कभी कोई ऐसा मसला खड़ा हो सकता है, जिसका विरोध करना छात्र जरूरी समझें। विरोध की हर गतिविधि से सामान्य वातावरण में बाधा आती है। इसलिए हॉनर कोड की नई शर्तों के प्रति छात्र समुदाय का प्रतिरोध उचित है। बेहतर होगा कि प्रशासन इन्हें तुरंत वापस ले ले।

राजनैतिक दलों में परस्पर सम्मान क्यों नहीं ?

पिछले दिन विनेश फोगट और पूनिया के कांग्रेस में शमिल होने पर भाजपा के प्रवक्ता कह रहे हैं कि पिछले साल पहलवानों का आन्दोलन बृजभूषण के खिलाफ कांग्रेस द्वारा प्रायोजित था । पहले भी खिलाडियों ने राजनैतिक दलों की सदस्यता ली है । गौतम गंभीर को सन् 2019 में दिल्ली से लोकसभा के लिए चुनाव लड़वाया गया था । राजवर्धन तो मंत्री भी रहे हैं । अनेक विभिन्न खेलों के खिलाड़ी किसी खास राजनैतिक दल के पक्ष में वक्तव्य दे चुके हैं । ज्यादातर खिलाड़ी सत्ता पक्ष के साथ रहते हैं । इससे उन्हें सुविधा मिलती है । यूं मोदी जी के कार्यकाल में खिलाडियों को काफी प्रोत्साहन मिला है । अब जीतने वाले खिलाडियों को करोड़ों में ईनाम मिलता है । विनेश फोगट के मन की टीस को कौन समझ सकता है । आज भाजपा, कांग्रेस तथा लेफ्ट पश्चिमबंगाल में हुये टेप काण्ड के बाद ममता बनर्जी का इस्तीफा मांग रहे हैं । क्या रेप घटना मात्र पश्चिम बंगाल में होती है? रोज तो किसी न किसी प्रदेश में ऐसी घटनाओं की खबर आती रहती है । भाजपा के एक मंत्री जो अपने को संत भी कहते थे, ऐसे आरोप सिद्ध होने के बाद त्यागपत्र दे गये । कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष के खिलाफ इन महिला पहलवानों ने घृणित आरोप लगाये हैं । तब इन प्रदर्शनकारियों के साथ कोई नहीं आया । पुलिस ने भी इनके साथ अन्याय किया । तो क्या इसका आक्रोश इन महिला खिलाडियों को नहीं होना चाहिए ? बृजभूषण का असर कम से कम पांच–छरू लोकसभा सीटों पर है तो ये अब भी भाजपा के सदस्य हैं ।

असल में भारत में किसी भी राजनैतिक दल में आंतरिक स्वराज्य नहीं है । शायद सी.पी.एम. या सी.पी.आई. में हो । बी.एस.पी. में मायावती सर्वेसर्वा हैं । कांग्रेस में सोनिया गांधी सर्वेसर्वा हैं । खडगे तो नाममात्र के अध्यक्ष हैं । किसी मीटिंग में बीच की कुर्सी पर राहुल गांधी बैठते हैं । सपा में अखिलेश यादव सर्वेसर्वा हैं । लाल प्रसाद प्रसाद अपनी पार्टी के सर्वेसर्वा हैं । जे.डी.यू. में नितीश कुमार शिवसेना की एक गुट के सर्वेसर्वा शिंदे हैं । दूसरे गुट के उद्धव ठाकरे । सभी लोग परिवारवाद की आलोचना करते हैं परन्तु तृणमूल कांग्रेस में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की चलती है । उद्धव ठाकरे का बेटा मंत्री रहा है । अभी हरियाणा में वहां कम से कम आठ–दस उम्मीदवार वहां के प्रभावशाली नेताओं के पुत्र, पुत्री, माता या अन्य रिश्तेदार हैं । अब तो पार्टी में दरी बिछाने वाले कहने लगे हैं कि भाजपा में भी अब पैराशूट प्रत्याशी उतारे जाते हैं यानि दूसरी पार्टी से आये प्रत्याशी । भाजपा में अंतिम निर्णय मोदी जी का ही है । गांधी जी के भाषणों की एक किताब नवजीवन प्रेस ने छापी है । उसमें एक जगह गांधी जी पूछते हैं कि कांग्रेस का अध्यक्ष तो खादी पहनता है और तीसरे दर्जे में सफर करता है परन्तु कुछ प्रांतों के प्रधानमंत्री (तब मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री कहते थे) विलायती कपड़े पहनते हैं और फर्स्ट–क्लास में सफर करते हैं यानि गांधी जी की नजर में पार्टी का अध्यक्ष मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री से बड़ा होता है । कल ऐसा किसी भी राजनैतिक दल में हैं आज भाजपा को भी मिलाकर । उन दिनों हिन्दू महासभा ने मुस्लिम लीग के साथ मिल कर सिंध, बंगाल आदि में सरकार बनाई थी ।

आज भारत में किसी भी राजनैतिक दल में नेतृत्व की दूसरी कतार नहीं है । भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल और दिल्ली सिरदर्द है । दिल्ली में केजरीवाल के खिलाफ किरण बेदी को उतारा था, यह सोचकर कि वे भी अन्ना के आन्दोलन से निकलीं हैं । परन्तु मुख्यमंत्री तो क्या वे अपनी सीट भी नहीं जीत पाईं ।

अमित शाह के आश्वासन को भाजपा ने क्यों किया दरकिनार ? क्यों घाटी की 28 सीटों पर नहीं उतारे उम्मीदवार ?

जहां तक कश्मीर में भाजपा कार्यकर्ताओं की निराशा की बात है तो इस संबंध में हम आपको बता दें कि इनमें से कई लोगों ने मीडिया से बातचीत में खुलकर यह कहा है कि यदि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है ।जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर और अपने दम पर सरकार बनाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी भाजपा इस केंद्र शासित प्रदेश में बिल्कुल नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा जम्मू–कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत तो चाह रही है मगर उसने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे हैं इसलिए सवाल उठ रहा है कि जब सभी सीटों पर वह लड़ ही नहीं रही है तो सरकार कैसे बना लेगी? हम आपको बता दें कि भाजपा घाटी की सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। देखा जाये तो कश्मीर घाटी में 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का भाजपा का फैसला हैरानी भरा है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि पार्टी जम्मू–कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। गत सप्ताह भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आये अमित शाह ने दावा किया था कि भाजपा ही केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाएगी। इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा सरकार बनाने लायक नंबर कहां से लायेगी? हम आपको बता दें कि कश्मीर घाटी में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत कर अपना पार्टी संगठन खड़ा किया था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके पास समर्थकों की अच्छी खासी तादाद भी है लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे जिससे पार्टी के तमाम कार्यकर्ता नाराज बताये जा रहे हैं। हालांकि भाजपा इस नाराजगी को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही और उसका कहना है कि कश्मीरी जनता हमें उन 19 सीटों पर भारी बहुमत देगी जहां हमने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मगर कश्मीर घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है। श्रीनगर में एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि हमने वर्षों से विपरीत माहौल में पार्टी को खड़ा करने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन जब हमें पुरस्कृत करने का समय आया, तो पार्टी ने हम पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने या तो सीटें छोड़ दीं या ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जो पार्टी में नए हैं। कश्मीर घाटी के भाजपा नेता और कार्यकर्ता अमित शाह के वादे पर भी सवाल उठा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि इसी साल मई में घाटी की अपनी यात्रा के दौरान, भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करते हुए अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान कश्मीर घाटी की सभी तीन सीटों को छोड़ने के फैसले पर खेद व्यक्त किया था। हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा चुनावों में जम्मू में आने वाली दो सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी और उसने कश्मीर की तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। अमित शाह ने उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं से जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा था कि भाजपा इस बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसलिए सवाल उठ रहा है नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिये गये आश्वासन के बावजूद भाजपा ने अपना मन क्यों बदला? हम आपको बता दें कि कश्मीर में पार्टी के 19 उम्मीदवारों में दक्षिण कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से आठ, मध्य कश्मीर की 15 में से छह और उत्तरी कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से पांच शामिल हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि वह घाटी में किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर रहे हैं और केवल 19 उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का निर्णय एक सोचा समझा फैसला है ताकि कुछ स्वतंत्र उम्मीदवारों को जीत हासिल करने में मदद मिल सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनावों में भी कश्मीर घाटी की तीनों लोकसभा सीटें इसलिए छोड़ी गयीं थीं कि अन्य ताकतवर उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को हरा सकें और पार्टी की वह रणनीति कामयाब रही थी। भाजपा सूत्रों का कहना है कि कश्मीर घाटी में इस बार कई स्वतंत्र उम्मीदवार जीतने की हैसियत रखते हैं इसलिए उनकी राह में बाधा बनना सही नहीं है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह स्वतंत्र उम्मीदवार जीत हासिल करते हैं तो सरकार बनने की स्थिति में पार्टी की मदद कर सकते हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला इसलिए भी लिया गया है ताकि वंशवादी राजनीति करने वाले नेताओं को हराने में अन्य प्रबल उम्मीदवारों की मदद की जा सके।भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व जानता है कि श्रीनगर की एक सीट पर ही उसकी जीत की पूरी संभावना है। इसलिए छोड़ी गयी सीटों पर सीधे पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतार कर डमी उम्मीदवार उतारे गये हैं जो समय आने पर भाजपा के लिए मददगार साबित होंगे। हालांकि भाजपा की इस रणनीति को कश्मीरी नेता बखूबी समझ रहे हैं। हम आपको बता दें कि नेशनल कांफ्रेंस का अब्दुल्ला परिवार और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती खुलेआम कह रहे हैं कि भाजपा ने निर्दलीयों और नये दलों की फौज उतार दी है ताकि कश्मीर में दशकों से राजनीति कर रहे दलों के समीकरण बिगड़ जायें। यही नहीं, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से भाजपा उम्मीदवार रफीक वानी ने भी खुले तौर पर दावा कर दिया है कि नए क्षेत्रीय दल और निर्दलीय हमारे ही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि इंजीनियर राशिद हमारे हैं, सज्जाद लोन भी हमारे हैं, अल्ताफ बुखारी भी हमारे हैं और गुलाम नबी आजाद भी हमारे ही हैं,।हम आपको बता दें कि भाजपा का प्रयास है कि उसे जम्मू में 35 और कश्मीर से सभी 19 सीटें मिल जाएं ताकि 90 सदस्यीय विधानसभा में वह स्पष्ट बहुमत हासिल कर सके। भाजपा को यह भी लगता है कि कश्मीर में पांच पार्टियां समय आने पर उसका समर्थन कर सकती हैं। घाटी में चर्चाएं तो यहां तक हैं कि अभी कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही नेशनल कांफ्रेंस भी जरूरत पड़ने पर सरकार गठन के लिए भाजपा के साथ जा सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नेशनल कांफ्रेंस एनडीए का हिस्सा रह चुकी है। उस समय उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे। बहरहाल, घाटी की 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारने के फैसले के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रचार की शुरुआत कश्मीर घाटी से ही करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए 19 सितंबर को श्रीनगर में शेर–ए–कश्मीर पार्क में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है कि इस रैली में करीब 30,000 पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। देखना होगा कि जम्मू–कश्मीर की राजनीति का ऊँट किस करवट बैठता है?

बच्चों के अस्तित्व पर स्वच्छ भारत मिशन का प्रभाव

विनोद के. पॉल

स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बुनियादी उपाय है। स्वच्छता से डायरिया, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कृमि संक्रमण एवं मलाशय संबंधी रोग जैसी जल–जनित बीमारियों के साथ–साथ कुपोषण का खतरा कम हो जाता है। वर्ष 2012 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया था कि स्वच्छता में निवेश किए गए प्रत्येक अमेरिकी डॉलर के एवज में स्वास्थ्य संबंधी लागत में कमी, अधिक उत्पादकता और असामयिक मौतों में कमी के रूप में 5.5 अमेरिकी डॉलर के बराबर का लाभ मिलता है।

भारत में स्वच्छता का इतिहास बहुत पुराना है और इसकी शुरुआत उस सिंधु घाटी सभ्यता से होती है, जहां शौचालय निर्माण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाता था। हमारे शास्त्रों में कहा गया है– स्वच्छे देहे स्वच्छचित्तं, स्वच्छचित्ते स्वच्छज्ञानम्य यानी स्वच्छ शरीर में शुद्ध मन का निवास होता है और शुद्ध मन में सच्चे ज्ञान का निवास होता है।

इस समृद्ध विरासत के बावजूद, व्यापक स्वच्छता की दिशा में भारत की यात्रा चुनौतियों से भरी रही है। वर्ष 1981 की जनगणना के समय तक, मात्र एक प्रतिशत ग्रामीण घरों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध थी। इस हकीकत ने भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों– केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम, संपूर्ण स्वच्छता अभियान और निर्मल भारत अभियान– के शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त किया। इन सभी कार्यक्रमों की सहायता से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता कवरेज 39 प्रतिशत तक पहुंच गया।

दुनिया भर में होने वाले खुले में शौच का लगभग 60 प्रतिशत बोझ भारत पर था। यहां 50 करोड़ से अधिक लोग खुले में शौच करते थे। हमारी महिलाओं के सामने अंधेरे में अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने और अपनी गरिमा एवं सुरक्षा बनाए रखने की दुविधा थी।

इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच वर्षों में ग्रामीण भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य के साथ 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की शुरुआत की थी। भारत ने 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन पांच महत्वपूर्ण वर्षों के दौरान, ग्रामीण स्वच्छता कवरेज बढ़कर शत–प्रतिशत हो गया।

'इस मिशन के तहत, 2014 से 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक निवेश के साथ 11.7 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है।' यह महज परिसंपत्ति निर्माण की एक कवायद भर नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रव्यापी आंदोलन था जिसने व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित एक ठोस क्रांति के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को मिलाकर एक अरब से अधिक लोगों को प्रेरित किया। इसकी पहचान एक जन आंदोलन के तौर पर थी और यह शायद व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित दुनिया की सबसे बड़ी कवायद थी। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों, समुदाय के नेताओं, नागरिक समाज और सरकारी मशीनरी ने एकजुट होकर काम किया। स्वच्छता से जुड़े संदेश हर माध्यम से लोगों तक पहुंचे। मशहूर हस्तियों ने इस सामूहिक सुर में सुर मिलाया। ग्राम–स्तर के स्वयंसेवक (स्वच्छाग्रही) जमीनी स्तर पर परिवर्तन के चौंपियन बन गए। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों, बैठकों, मन–की–बात्त्य में किए जाने वाले वार्तालापों और स्थानों एवं परिसरों की सफाई के आदर्श कार्यों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और लोगों को प्रेरित किया।

एसबीएम चरण–1 की सफलता के बाद, चरण–2 की शुरुआत की गई। इस चरण का उद्देश्य ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, परिदृश्य स्वच्छता और समग्र ग्रामीण स्वच्छता के व्यापक पहलुओं का समाधान करते हुए ओडीएफ संबंधी उपलब्धियों को बनाए रखना है। वर्ष 2024–25 तक, सभी गांवों को स्थायी तौर–तरीकों और बेहतर स्वच्छता की विशेषता से लैस ओडीएफ प्लस मॉडल में बदलने का लक्ष्य है। इस मिशन का अगला लक्ष्य संपूर्ण स्वच्छता है– जिसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक, समुदाय और संस्थान की ओर से निरंतर समर्पण की आवश्यकता होगी।

शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका नेचस्य में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन सार्वजनिक स्वास्थ्य पर एसबीएम के व्यापक प्रभाव को रेखांकित करता है, खासकर शिशु मृत्यु दर को कम करने के मामले में। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और शिशु मृत्यु दरस्य शीर्षक वाले इस अध्ययन में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) के रुझानों से संबंधित 10 वर्षों की अवधि (2011–20) में 35 भारतीय राज्यों और 640 जिलों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। लेखकों ने शौचालय की बढ़ती सुलभता और बाल मृत्यु दर में गिरावट के बीच एक मजबूत संबंध का दस्तावेजीकरण किया है। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि एसबीएम के बाद जिला स्तर पर शौचालयों की सुलभता में प्रत्येक 10 प्रतिशत अंक की वृद्धि से जिला स्तर पर आईएमआर में 0.9 अंक और यू5एमआर में औसतन 1.1 अंक की कमी आई है। एक सीमा प्रभाव का भी सबूत है, जिसमें जिला स्तर पर 30 प्रतिशत (और उससे अधिक) का शौचालय कवरेज आईएमआर में 5.3 अंक और प्रति हजार जीवित जन्मों पर यू5एमआर में 6.8 अंक की कमी के समतुल्य है। लेखकों का अनुमान है कि एसबीएम के कारण बड़े पैमाने पर शौचालय की सुलभता ने सालाना 60,000– 70,000 शिशु मृत्यु को रोकने में योगदान दिया है।

हालांकि, यहां इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि यह मात्र प्रभाव संबंधी अध्ययन भर नहीं है, जो एसबीएम की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2018) के अनुसार, 2014 और 2019 के बीच डायरिया से होने वाली 3,00,000 से अधिक मौतों को रोकने में एसबीएम की अहम भूमिका रही है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (2017) ने बताया कि गैर–ओडीएफ गांवों की तुलना में ओडीएफ वाले इलाकों के बच्चों में वेस्टिंग के मामले 37 प्रतिशत कम थे, जो इस बात की पुष्टि करती है कि स्वच्छता कैसे बचपन के पोषण पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। ओडीएफ गांवों के बच्चों में डायरिया के मामले लगभग एक तिहाई कम थे। वर्ष 2017 में एक अध्ययन में, यूनिसेफ ने अनुमान लगाया कि 93 प्रतिशत महिलाएं घर में शौचालय उपलब्ध होने के बाद सुरक्षित महसूस करती हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को बढ़ाने में एसबीएम की भूमिका को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन में किए गए आर्थिक विश्लेषण से पता चला कि ओडीएफ गांवों में प्रत्येक परिवार ने स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की अपेक्षाकृत कम लागत और बचाए गए जीवन के आर्थिक मूल्य एवं समय की बचत की दृष्टि से सालाना लगभग 50,000 रुपये की बचत की।

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बीच के संबंध को देखते हुए, एसबीएम से हासिल हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी लाभ अपरिहार्य हैं। हाल के अध्ययन से हमें जो जानकारी मिली है, वह शौचालय की सुलभता के कारण बच्चों के जीवित रहने की संभावनाओं में सुधार का एक ठोस परिमाण है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रूका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका कोई रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीको पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

कर्क राशि–
आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुये धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज गलत विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे और गलत संगत से बचेंगे।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगें। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। आपके काम पर अंतिम परिणाम निर्भर करेगा।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता–पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

धनु राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं,

मकर राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे। जीवन में संतुलन बनाए रखेंगे और कुछ बातों में बदलाव होने में समय लगेगा। आज किसी कामों को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज व्यापार में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन राशि–
आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। कुछ लोग आपके काम में रूकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं।

ममता से बांग्लादेश के कट्टरपंथी की अपील, बंगाल को भारत से आजाद करने का करें ऐलान

बांग्लादेश में अल–कायदा से जुड़े आतंकवादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के प्रमुख ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बंगाल को मोदी के चंगुल से मुक्त कराने और स्वतंत्रता की घोषणा करने को कहा है।शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश कट्टरपंथी और चरमपंथियों का गढ़ बनता जा रहा है। जहां से भारत विरोधी भावनाएं लगातार उबाल मार रही है। हिंदुओं को यहां लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उनके घरों, मकानों, दुकानों को जलाया जा रहा है। वहीं नोबेल पुरस्कार विजेता और वर्तमान सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस भले ही स्थिति को नियंत्रित करने की कर रहे हों लेकिन भ लेकर कभी जमात क कट्टरपंथी, आतंकवादी की तरफ से लगातार जारी किए जा रहे हैं। इस्लामिक नेता ने अ को तोड़ने का आह्वा कर डाला है। बांग्ल अल–कायदा से जुड़े आ संगठन अंसारुल्लाह बां (एबीटी) के प्रमुख ने बंगाल की मुख्यमंत्री मम से बंगाल को मोदी के चंगुल से मुक्त कराने और स्वतंत्रता की घोषणा करने को कहा है। आतंकी गुट के प्रमुख ने भारत को धमकी देते हुए उसे अपने पड़ोसी बांग्लादेश के साथ किसी हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। एक वीडियो मैसेज में भारत को चेतावनी देते हुए उसे ये कहते हुए सुना जा सकता है कि अगर तुमने बांग्लादेश की तरफ देखा तो हम आंखें निकाल लेंगे। ओर एक कदम बढ़ाएंगे तो हम चीन से कहेंगे कि चिकन नेक (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) बंद कर दे। हम सेवन सिस्टर्स (पूर्वोत्तर राज्यों) से स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने का अह्वान करेंगे।

पड़ोसियों को बनाए रखना चाहिए सौहार्दपूर्ण रवैया, अब भारत को नसीहत भी देने लग गया बांग्लादेश का कट्टरपंथी जमात ए इस्लामी

2013 में हाई कोर्ट के आदेश के बाद बांग्लादेश उच्चायोग द्वारा रजीस्ट्रेशन रद्द किए जाने के बाद जमात–ए–इस्लामी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। जमात ने आदेश के खिलाफ अपील की थी लेकिन बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में आदेश को बरकरार रखा। भारत के खिलाफ बांग्लादेश साजिशों की एक नई प्रयोगशाला बनता जा रहा है। भारत के पड़ोसी देश में अब कई खतरनाक प्रयोग होने शुरू हो गए हैं। हालत ये हो गई है कि बांग्लादेश के कट्टरपंथी अब भारत पर बयान जारी कर रहे हैं। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामी राजनीतिक पार्टी जमात–ए–इस्लामी ने अब कहा है कि ढाका और नई दिल्ली को क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने के लिए सौहार्दपूर्ण तरीके से मिलकर काम करना चाहिए। ढाका में एएनआई से विशेष रूप से बात करते हुए जमात–ए–इस्लामी के उप अमीर सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहेर ने कहा कि बांग्लादेश इस संबंध ा में हमेशा ईमानदार रहा है। किसी के पास अपने पड़ोसी को बदलने का विकल्प है। बांग्लादेश पार्टी नेता ने कहा कि इसीलिए सभी पड़ोसियों को अनुकूल सकारात्मक रवैया और माहौल बनाए रखना चाहिए ताकि पड़ोसी देशों के बीच शांति बनी रहे।2013 में हाई कोर्ट के आदेश के बाद बांग्लादेश उच्चायोग द्वारा रजीस्ट्रेशन रद्द किए जाने के बाद जमात–ए–इस्लामी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। जमात ने आदेश के खिलाफ अपील की थी लेकिन बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में आदेश को बरकरार रखा। इस साल 30 जुलाई को जमात–ए–इस्लामी और उसके संबद्ध संगठनों पर शेख हसीना द्वारा प्रतिबंध लगा दिया गया था। रकार का यह निर्णय बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के बाद आया है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसे कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने अपने कब्जे में ले लिया था, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर मौतें हुईं। लेकिन शेख हसीना के सत्ता से हटते ही नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पार्टी पर से प्रतिबंध हटा दिया। पार्टी के डिप्टी अमीर का कहना है कि वह भारत के साथ अच्छे संबंधों की पक्षधर है। शफीकुर रहमान ने कहा कि भारत ने अतीत में कुछ ऐसे काम किए हैं जो बांग्लादेश को पसंद नहीं आए। हमें लगता है कि भारत और बांग्लादेश को एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। जमात को पाकिस्तान से मदद मिलती है। वहीं इसी संगठन को चीन से फंडिंग मिलती है।

लेकर पोप फ्रांसिस ने कर दी बड़ी अपील, ट्रंप और कमला हैरिस दोनों को खूब सुनाया

अर्जेंटीना के पोप ने आप्रवासियों को निर्वासित करने की योजना पर ट्रम्प की और गर्भपात अधिकारों के समर्थन पर हैरिस के स्टैंड को लेकर दोनों को ही आड़े हाथों लिया।अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति का चुनाव होना है। रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक कमला हैरिस के बीच मुकाबला है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस धार्मिक सद्भाव के लिए सबसे लंबी यात्रा पर निकले पोप फ्रांसिस के निशाने पर आ गए। पोप फ्रांसिस ने दोनों की जमकर आलोचना की है। इमीग्रेशन और अबॉर्शन पर नीतियों को लेकर अमेरिकी वोटरों को नसीहत दी है। मतादाओं से पोप ने कहा कि आप कम शैतानी उम्मीदवार को वोट दें और राष्ट्रपति चुनें। अर्जेंटीना के पोप ने आप्रवासियों को निर्वासित करने की योजना पर ट्रम्प की और गर्भपात अधिकारों के समर्थन पर हैरिस के स्टैंड को लेकर दोनों को ही आड़े हाथों लिया।

सिंगापुर से रोम लौटते वक्त पोप ने कहा कि दोनों ही जीवन के खिलाफ हैं, चाहे वह प्रवासियों को बाहर करना हो या बच्चों को मारना। प्रवासियों के लिए दरवाजे बंद करने को पोप फ्रांसिस ने गंभीर पाप बताया। इसके साथ ही उन्होंने गर्भपात को हत्या के समान ठहराया। उन्होंने विस्तार से बताए बिना कहा कि अमेरिकी कैथोलिकों को नवंबर में मतदान करते समय कम बुरे उम्मीदवार को वोट करने की अपील की।

पोप ने सिंगापुर की अपनी यात्रा के अंतिम दिन कैथोलिक जूनियर कॉलेज के युवाओं के साथ एक अंतर–धार्मिक बैठक के दौरान कहा कि क्या आलोचना करने का आपमें साहस है और क्या इसके साथ–साथ आप अपनी आलोचना किये जाने की अनुमति देंगे? पोप ने कहा कि युवाओं के बीच संवाद समुदाय में व्यापक स्तर पर नागरिकों के बीच बातचीत को बढ़ावा देगा। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि आलोचना रचनात्मक या व्यवधान डालने वाली हो सकती है और युवाओं को आलोचना करने के दौरान विभिन्न धर्मों के लोगों का सम्मान करना चाहिए।

हिंदुओं पर सवाल करना राहुल गांधी की टीम को नहीं भाया, अमेरिका में जर्नलिस्ट के साथ कर दी ऐसी शर्मनाक हरकत

बीजेपी के मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने पूरी घटना का ब्यौरा अपने एक्स अकाउंट पर शेयर करते हुए कहा कि ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या इंडिया टुडेध आजतक इसे एक बड़ा मुद्दा बनाते हैं और अपने पत्रकार पर हमले को उजागर करने के लिए अपने मंच का उपयोग करते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का अमेरिका दौरा देश में चर्चा का मुद्दा बना रहता है। लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल गांधी का ये पहला अमेरिकी दौरा है। राहुल जब भी विदेश जाते हैं तो देश में विवादों की आंधी आ जाती है। अब ताजा मामला पत्रकार से बदसलूकी का है। बताया जा रहा है कि पत्रकार की गलती बस इतनी थी कि उसने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के बारे में राहुल से सवाल कर दिया। बस क्या था राहुल के समर्थकों ने पत्रकार का फोन तक उससे छीन लिया। सारी कहानी खुद पत्रकार ने साझा की है। दरअसल, इंडिया टुडे के वाशिंगटन स्थित संवाददाता रोहित शर्मा ने हैरतअंगेज खुलासा करते हुए जानकारी दी कि टेक्सास के डलास में राहुल गांधी की टीम द्वारा उन पर कैसे अटैक किया गया। पत्रकार ने दावा किया कि राहुल गांधी के सहयोगियों ने उनका फोन तक छीन लिया और बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमलों के बारे में पूछे गए सवाल के फुटेज को जबरन डीलिट करने के लिए मजबूर किया। राहुल गांधी की टीम का एक पत्रकार पर आक्रामक होना ऐसे समय में सामने आया है जब वह भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के स्तर में गिरावट के बारे में बात कर रहे हैं। बीजेपी के मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने पूरी घटना का ब्यौरा अपने एक्स अकाउंट पर शेयर करते हुए कहा कि ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या इंडिया टुडेध्आजतक इसे एक बड़ा मुद्दा बनाते हैं और अपने पत्रकार पर हमले को उजागर करने के लिए अपने मंच का उपयोग करते हैं।यह देखना भी उतना ही दिलचस्प होगा कि राजदीप सरदेसाई जैसे कांग्रेस के धुरंधर इसे प्राइम टाइम पर लेते हैं या नहीं। बेरोजगार कांग्रेस की ओर झुकाव रखने वाले यूट्यूब पत्रकारों की चुप्पी स्पष्ट है। लेकिन क्या प्रेस क्लब ऑफ इंडिया और अन्य मीडिया व्यस्त निकाय एक साथी पत्रकार पर आक्रामकता के इस कृत्य के लिए राहुल गांधी और कांग्रेस की निंदा करेंगे? गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के वक्त विपक्ष ने एक नैरेटिव चलाया था कि बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, और ये बात चुनावी मुद्दा बन गई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार दोहरा रहे हैं कि संविधान की वो हर कीमत पर रक्षा करेंगे। हर चुनावी रैली में संविधान की कॉपी लेकर भाषण दिया। यहां तक की वो सांसद के तौर पर शपथ लेने गए तो उस वक्त भी उनके हाथों में संविधान की कॉपी नजर आई। लेकिन लोकतंत्र बचाने की बात करने वाले राहुल की टीम की तरफ से इस तरह की घटना सामने आने के बाद बीजेपी भी कई सवाल खड़े कर रही है।

जिंदगी में सब खटा खट नहीं होता, मेहनत करनी पड़ती है...जिनेवा में जयशंकर का राहुल पर तगड़ा तंज

विदेश मंत्री ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए जरूरी मैन पॉवर का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक हम मानव संसाधनों का विकास नहीं करते हैं, जब तक आप बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं करते हैं, तब तक कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है।लोकसभा चुनाव 2024 में नेताओं की तरफ से अजीबोगरीब बयान खूब देखने सुनने को मिले। राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान खटाखट शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने गरीबों के खाते में एक–एक लाख रुपये डालकर खटाखट गरीबी खत्म करने की बात कही थी। वहीं अब भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि किसी को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है और जीवन श्खटा–खटश नहीं है। जिनेवा में भारतीय समुदाय से बात करते हुए जयशंकर ने पिछले 10 वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा हासिल किए गए इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर प्रकाश डाला। अपनी टिप्पणी के दौरान विदेश मंत्री ने कांग्रेस नेता द्वारा की गई खटा खट वाली टिप्पणी का भी लाइटर नोट पर जिक्र किया। जयशंकर ने बयान के बाद दर्शक खूब हंस पड़े। विदेश मंत्री ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए जरूरी मैन पॉवर का जिक्र करते हुए कहा कि जब तक हम मानव संसाधनों का विकास नहीं करते हैं, जब तक आप बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं करते हैं, तब तक कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। आपके पास नीतियां होनी जरूरी होती हैं। जिंदगी श्खटा–खटश नहीं है। जीवन कठिन परिश्रम का दूसरा रूप है। जयशंकर ने कहा कि जिस किसी ने भी नौकरी की है और काम किया है, वह इसे जानता है। इसलिए यह मेरा आपके लिए संदेश है कि हमें इस पर कड़ी मेहनत करनी होगी। लोकसभा अभियान के हिस्से के रूप में एक चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी जीतती है, तो वे देश के हर गरीब परिवार की एक महिला के खाते में 1 लाख रुपये स्थानांतरित करेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि ट्रांसफर श्खटा–खटश यानी तुरंत हो जाएगा। बता दें कि जयशंकर 12–13 सितंबर तक दो दिवसीय यात्रा पर स्विट्जरलैंड में थे। यात्रा के दौरान, उन्होंने जिनेवा में स्थायी मिशन में भारतीय समुदाय एक बड़ी सभा के साथ बातचीत की। उन्होंने भारत द्वारा की गई तीव्र प्रगति और दुनिया के साथ जुड़ने के भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

बुल्गारिया में अभ्यास के दौरान सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलटों की मौत

सरकारी समाचार एजेंसी बीटीए के अनुसार, बुल्गारिया शनिवार को अपनी नाटो सदस्यता की 20वीं वर्षगांठ मना रहा है और मिग–29 को बुल्गारियाई वायुसेना में शामिल किए जाने के 35 साल भी पूरे हो रहे हैं।बुल्गारिया का एक सैन्य विमान देश के नाटो में शामिल होने की वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित एयरशो के एक अभ्यास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एल–39 अल्बाट्रोस प्रशिक्षण जेट दोपहर के कुछ समय बाद दक्षिण–पश्चिमी बुल्गारिया में ग्राफ इग्नाटिवो एयरबेस के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो राजधानी सोफिया से लगभग 150 किलोमीटर दूर स्थित है। इस दुर्घटना के कारण जमीन पर आग लग गई। अधिकारियों का कहना है कि आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री ग्लेवचेव के प्रेस विभाग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि वह एयरबेस के लिए रवाना हो रहे हैं।सरकारी समाचार एजेंसी बीटीए के अनुसार, बुल्गारिया शनिवार को अपीनाटो सदस्यता की 20वीं वर्षगांठ मना रहा है और मिग–29 को बुल्गारियाई वायुसेना में शामिल किए जाने के 35 साल भी पूरे हो रहे हैं।उउर्घटना के बाद रक्षा मंत्री अतानास जैप्रियानोव ने एयरशो रद्द कर दिया। सरकारी प्रसारक बीएनटी के वीडियो में एयरफील्ड के ऊपर काले धुएं का एक बड़ा गुबार उठता हुआ दिखाई दे रहा है तथा दमकल गाड़ियां दुर्घटनास्थल की ओर भागती दिख रही हैं।

पाकिस्तान में मकान की छत ढहने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

इस दुर्घटना में एक दंपति और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। उसने बताया कि स्थानीय लोगों और बचावकर्मियों ने शवों को मलबे से निकाला और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया।पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में आंधी–तूफान के कारण शुक्रवार देर रात एक मकान की छत ढहने से तीन बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चारसद्दा जिले के तुरंगजई गांव में भीषण तूफान आने से यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना में एक दंपति और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। उसने बताया कि स्थानीय लोगों और बचावकर्मियों ने शवों को मलबे से निकाला और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के.पी.के अली अमीन ने घटना पर दुख जताया और पीड़ित परिवार को नकद मुआवजा देने की घोषणा की।

पाकिस्तान सिंध प्रांत में जहर मिला दूध पीने से एक ही परिवार के 13 लोगों की मौत

पुलिस ने बताया कि सक्कूर स्थित रासायनिक प्रयोगशाला द्वारा की गयी जांच से पता चला है कि जिस दिन परिवार के सदस्यों की मौत हुई, उस दिन उन्होंने जो दूध पिया था, उसमें जहरीला पदार्थ था।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में जहर मिला दूध पीने से एक ही परिवार के 13 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना 19 अगस्त को खैरपुर के पास हैबत खान ब्रोही गांव में हुई।पीड़ितों की पहचान गुल बेग ब्रोही, उनकी पत्नी, पांच बेटे, तीन बेटियां और तीन अन्य रिश्तेदारों के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि कुछ करीबी रिश्तेदारों ने आशंका जताई थी कि पीड़ितों को जहर दिया गया होगा क्योंकि परिवार के मुखिया का कुछ लोगों के साथ जमीन का विवाद था।पुलिस ने बताया कि सक्कूर स्थित रासायनिक प्रयोगशाला द्वारा की गयी जांच से पता चला है कि जिस दिन परिवार के सदस्यों की मौत हुई, उस दिन उन्होंने जो दूध पिया था, उसमें जहरीला पदार्थ था। उसने बताया कि रिपोर्ट में मृतकों के शरीर में जहरीले पदार्थ की मौजूदगी की भी पुष्टि हुई है। खैरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. समीउल्लाह सूमरो ने कहा कि पुलिस मामले की हर कोण से जांच कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम सावधानी से मामले में आगे बढ़ेंगे लेकिन यह सुनिश्चित करेंगे कि घटना के जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाए।

जयशंकर ने 'खटा खट' को लेकर राहुल गांधी पर कटाक्ष किया

इस साल लोकसभा चुनाव के लिए अभियान के तहत एक चुनावी रैली के दौरान, गांधी ने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी जीतती है तो वह देश के हर गरीब परिवार की एक महिला के खाते में एक लाख रुपए हस्तांतरित करेगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि व्यक्ति को कड़ी मेहनत करने की जरूरत होती और जीवन 'खटाखट' नहीं है।

जिनेवा में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जयशंकर बदलते भारत और नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में बोल रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता की टिप्पणी का परोक्ष संदर्भ दिया। जयशंकर ने बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए आवश्यक विशाल मानव संसाधनों के बारे में बात करते हुए कहा, ''जब तक हम मानव संसाधन विकसित नहीं कर लेते, तब तक कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। जब तक आप बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं कर लेते, जब तक आपके पास नीतियां नहीं होतीं। इसलिए जीवन 'खटाखट' नहीं है।

जीवन में कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। जीवन कर्मठता है'' उन्होंने कहा, ''जिस किसी ने भी नौकरी की है और कड़ी मेहनत से काम किया है, वह यह जानता है। इसलिए मेरा आपके लिए यही संदेश है कि हमें इस पर कड़ी मेहनत करनी होगी।''इस साल लोकसभा चुनाव के लिए अभियान के तहत एक चुनावी रैली के दौरान, गांधी ने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी जीतती है तो वह देश के हर गरीब परिवार की एक महिला के खाते में एक लाख रुपए हस्तांतरित करेगी। उन्होंने कहा था कि ये रुपये 'खटाखट' यानी तुरंत हस्तांतरित होंगे।

इस्लामिक स्टेट की तालिबान को चुनौती, बंदूकधारियों ने 14 शिया मुसलमानों की कर दी हत्या

अप्रैल में इस्लामिक स्टेट समूह ने पश्चिमी हेरात में एक मस्जिद के अंदर अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक शिया समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाकर घातक गोलीबारी की थी, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। प्रांतीय गवर्नर के अनुसार, बंदूकधारियों ने 29 अप्रैल की रात प्रार्थना के समय मस्जिद पर हमला किया, जिसमें कम से कम पांच लोग मारे गए। मध्य अफगानिस्तान के शिया बहुल क्षेत्र में बंदूकधारियों ने 14 लोगों की हत्या कर दी। तालिबान ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह इस वर्ष देश में हुए सबसे घातक हमलों में से एक है। इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने इसकी जिम्मेदारी ली। इसमें शिया बहुल घोर और दाईकुंडी प्रांतों के बीच यात्रा कर रहे लोगों को निशाना बनाया गया। आईएस समूह ने कहा कि हमले के लिए मशीन गन का इस्तेमाल किया गया।इससे पहले अप्रैल में इस्लामिक स्टेट समूह ने पश्चिमी हेरात में एक मस्जिद के अंदर अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक शियामें इस्लामिक स्टेट ने अपने टेलीग्राम चौनल के जरिए हमले की जिम्मेदारी ली।

टीम इंडिया का बालिंग कोच नियुक्त किए जाने पर इमोशनल हो गए थे मोर्ने मोर्केल, जानें क्या कहा ?

भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। ये मोर्केल की बतौर भारतीय कोच पहली सीरीज है। मोर्केल ने उस पल का खुलासा किया जब उन्हें टीम इंडिया का बॉलिंग कोच नियुक्त किया गया। मोर्केल को जब कोच बनने की सूचना मिली तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ और वो कुछ मिनट तक अकेले बैठे रहे थे।टीम इंडिया के नए बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने भारतीय खिलाड़ियों के साथ चेन्नई में ट्रेनिंग शुरू कर दी है। भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा, जहां पहला मैच चेन्नई में खेला जाएगा। ये मोर्केल की बतौर भारतीय कोच पहली सीरीज है। मोर्केल ने उस पल का खुलासा किया जब उन्हें टीम इंडिया का बॉलिंग कोच नियुक्त किया गया। मोर्केल को जब कोच बनने की सूचना मिली तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ और वो कुछ मिनट तक अकेले बैठे रहे थे। दरअसल, मोर्केल ने कोच की जॉब कंफर्म होने की बाद सबसे अपने पिता को बताई। उन्होंने बीसीसीआई टीवी से कहा कि, बीसीसीआई से फोन पर बातचीत खत्म होने के बाद मैं पांच मिनट तक अपने कमरे में बैठा रहा। मैंने अपनी पत्नी नहीं बल्कि पहले अपने पिता से बात की जबकि कहा जाता है कि पहले पत्नी को बताना चाहिए। इसलिए ये मेरे लिए खास पल था। मैंने उस पल का आनंद लिया और फिर अपने परिवार को बताया। मार्केल को भारतीय खाना पसंद है। उन्होंने अपनी पसंदीदा इंडियन डिश के बारे में बताया है। बॉलिंग कोच

ने आगे कहा कि, सुबह के नाश्ते में मुझे पूड़ी खान अच्छा लगता है। मुझे डोसा और मलाई चिकन भी पंसद है लेकिन एक कोच होने के नाते मुझे खिलाड़ियों को दिखाना होगा कि मैं पोषण से भरपूर खान खाता हूं। तभी खिलाड़ी आपका अनुसरण करेंगे। मोर्कल 2006 से 2017 तक इंटरनेशनल क्रिकेट में एक्टिव रहे। मोर्कल 2006 से 2017 तक इंटरनेशनल क्रिकेट में एक्टिव रहे। उन्होंने 86 टेस्ट, 117 वनडे और 44 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले और कुल 544 विकेट चटकाए। अगले महीने 40 साल के होने जा रहे मोर्कल का कहना है कि भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था अपने आप संचालित होती है।

आईसीसी एसीयू प्रमुख एलेक्स मार्शल का बयान, कहा– स्थानीय लीग के जरिए घुसपैठ करने चाहते हैं भ्रष्टाचारी

आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के निवर्तमान प्रमुख एलेक्स मार्शल ने कहा कि शीर्ष स्तर की क्रिकेट सुरक्षित और साफ सुथरी है लेकिन संभावित भ्रष्टाचारियों की नजर स्थानीय क्रिकेट संस्थाओं द्वारा संचालित की जा रही टी20 लीग के जरिए इस खेल में घुसपैठ करने पर है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के निवर्तमान प्रमुख एलेक्स मार्शल ने कहा कि शीर्ष स्तर की क्रिकेट सुरक्षित और साफ सुथरी है लेकिन संभावित भ्रष्टाचारियों की नजर स्थानीय क्रिकेट संस्थाओं द्वारा संचालित की जा रही टी20 लीग के जरिए इस खेल में घुसपैठ करने पर है। ब्रिटेन के पूर्व पुलिस अधिकारी ने यह नहीं बताया कि क्या वह किसी विशेष स्थानीय लीग या देश के संदर्भ में यह

बात कह रहे थे। मार्शल ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से कहा, ''मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आप जो क्रिकेट देख रहे हो वह सुरक्षित और साफ सुथरी है।''उन्होंने कहा,''लेकिन मैं पूरे यकीन के साथ यह भी कह रहा हूं कि भ्रष्टाचारी इस खेल में अंदर घुसने का रास्ता तलाश रहे हैं। वे निचले स्तर की फ्रेंचाइजी लीगके जरिए घुसपैठ करने की फिराक में हैं। खेल के लिए खतरा यह है कि भ्रष्टाचारी दूर नहीं जाएंगे, क्योंकि उनका एकमात्र उद्देश्य पैसा कमाना होता है और इसके लिए वह पूरी व्यवस्था की कमजोर कड़ी के जरिए अंदर घुसने का प्रयास करेंगे।''मार्शल ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि अधिक से अधिक खिलाड़ी आईसीसी एसीयू के साथ भ्रष्ट पेशकश की रिपोर्ट कर रहे हैं, जिससे खेल को स्वच्छ और साफ सुथरा बनाए रखने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा,''मुझे गर्व है कि भ्रष्ट पेशकश की रिपोर्ट करने वाले खिलाड़ियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक समय था जबकि उन्हें गोपनीयता बनाए रखने और उसके बाद होने वाली कार्रवाई पर भरोसा नहीं था।

टीम इंडिया के बल्लेबाजों को बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजों से निपटना होगा बड़ी चुनौती, जानें चेन्नई के पिच कैसी होगी ?

दरअसल, चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत–बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। एक महीने के ब्रेक के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है। अगले 4 महीने में भारतीय टीम को 10 टेस्ट खेलने हैं। 5 टेस्ट घर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ। वहीं 5 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेलने हैं। 19 सितंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत–बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। एक महीने के ब्रेक के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है। अगले 4 महीने में भारतीय टीम को 10 टेस्ट खेलने हैं। 5 टेस्ट घर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ। वहीं 5 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेलने हैं। द इंडियन एक्स्प्रेस के अनुसार भारतीय टीम ने शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहली बार नेट प्रैक्टिस की। हाल के समय में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने बहुत परेशान किया। चेन्नई में पहले दिन बल्लेबाजों ने स्पिनर्स के खिलाफ नेट्स में खूब पसीना बहाया। हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में तेज गेंदबाजों के मुफीद परिस्थितियां हो सकती हैं। लाल मिट्टी पिच का इस्तेमाल हो सकता है। भारत ने अपने नेट गेंदबाजों को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के अटैक को देखते हुए चुना है। बांग्लादेश के दो बाएं हाथ के स्पिनर शाकिब अल हसन, ताइजुल इस्लाम और न्यूजीलैंड के पास एजाज पटेल, मिशेल सेंटनर और रचिन रविंद्र हैं, जो सभी ट्रैजेक्टरी और रिलीज पॉइंट के मामले में अलग–अलग चुनौतियां पेश करते हैं। रविं जडेजा और अक्षर पटेल के अलावा तमिलनाडु के एस अजित राम, एम सिद्धार्थ और पी विग्नेश उपलब्ध हैं। ऑफ स्पिनर्स ने काफी परेशानी पेश की। ऐसे में आर अश्विन के अलावा बल्लेबाजों ने तमिलनाडु के लक्ष्य जैन और मुंबई के अश्विन–क्लोन हिमांशु सिंह का सामना किया। चेन्नई की पिच बांग्लादेश को अपने घरेलू मैदान पर काली मिट्टी वाली पिचों पर खेलने की आदत है, जो आमतौर पर धीमी होती हैं। जिस कारण भारत पहला टेस्ट ऐसी पिच पर खेलेगा जो लाल मिट्टी से बनी होगी। हालांकि, टेस्ट के लिए अभी पांच दिन बाकी हैं, ऐसे में पिच पर अच्छी घास थी, जिसे मैदानकर्मियों ने सुबह 11.30 बजे ही ढक दिया था ताकि वह टूट न जाए।

टीम इंडिया के बल्लेबाजों को बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजों से निपटना होगा बड़ी चुनौती, जानें चेन्नई के पिच कैसी होगी ?

दरअसल, चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत–बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। एक महीने के ब्रेक के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है। अगले 4 महीने में भारतीय टीम को 10 टेस्ट खेलने हैं। 5 टेस्ट घर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ। वहीं 5 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेलने हैं। 19 सितंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत–बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। एक महीने के ब्रेक के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है। अगले 4 महीने में भारतीय टीम को 10 टेस्ट खेलने हैं। 5 टेस्ट घर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ। वहीं 5 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेलने हैं। द इंडियन एक्स्प्रेस के अनुसार भारतीय टीम ने शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहली बार नेट प्रैक्टिस की। हाल के समय में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने बहुत परेशान किया। चेन्नई में पहले दिन बल्लेबाजों ने स्पिनर्स के खिलाफ नेट्स में खूब पसीना बहाया। हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में तेज गेंदबाजों के मुफीद परिस्थितियां हो सकती हैं। लाल मिट्टी पिच का इस्तेमाल हो सकता है। भारत ने अपने नेट गेंदबाजों को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के अटैक को देखते हुए चुना है। बांग्लादेश के दो बाएं हाथ के स्पिनर शाकिब अल हसन, ताइजुल इस्लाम और न्यूजीलैंड के पास एजाज पटेल, मिशेल सेंटनर और रचिन रविंद्र हैं, जो सभी ट्रैजेक्टरी और रिलीज पॉइंट के मामले में अलग–अलग चुनौतियां पेश करते हैं। रविं जडेजा और अक्षर पटेल के अलावा तमिलनाडु के एस अजित राम, एम सिद्धार्थ और पी विग्नेश उपलब्ध हैं। ऑफ स्पिनर्स ने काफी परेशानी पेश की। ऐसे में आर अश्विन के अलावा बल्लेबाजों ने तमिलनाडु के लक्ष्य जैन और मुंबई के अश्विन–क्लोन हिमांशु सिंह का सामना किया।

चेन्नई की पिच बांग्लादेश को अपने घरेलू मैदान पर काली मिट्टी वाली पिचों पर खेलने की आदत है, जो आमतौर पर धीमी होती हैं। जिस कारण भारत पहला टेस्ट ऐसी पिच पर खेलेगा जो लाल मिट्टी से बनी होगी। हालांकि, टेस्ट के लिए अभी पांच दिन बाकी हैं, ऐसे में पिच पर अच्छी घास थी, जिसे मैदानकर्मियों ने सुबह 11.30 बजे ही ढक दिया था ताकि वह टूट न जाए।

गावस्कर बार्डर ट्राफी में कोहली और स्मिथ के मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं

ग्लेन मैक्सवेल भारत के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान आधुनिक दौर के दो महान बल्लेबाजों विराट कोहली और स्टीव स्मिथ के मुकाबले को लेकर रोमांचित हैं। कोहली और स्मिथ मौजूदा दौर के 'फैब फोर' बल्लेबाजों में शामिल है जिसमें इंग्लैंड के कप्तान जो रूट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन भी हैं। नयी दिल्ली । आस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल भारत के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान आधुनिक दौर के दो महान बल्लेबाजों विराट

कोहली और स्टीव स्मिथ के मुकाबले को लेकर रोमांचित हैं। कोहली और स्मिथ मौजूदा दौर के 'फैब फोर' बल्लेबाजों में शामिल है जिसमें इंग्लैंड के कप्तान जो रूट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन भी हैं। मैक्सवेल ने स्टार स्पोर्टस से कहा ,'' जिस तरह से ये दोनों सुपरस्टार बल्लेबाज स्मिथ और कोहली खेल रहे हैं , मुझे लगता है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के नतीजे पर इनकी बल्लेबाजी का काफी असर पड़ेगा।'' उन्होंने कहा ,'' ये दोनों या दोनों में से एक काफी रन बनाने वाला है।हमारे दौर के इन दोनों बेहतरीन खिलाड़ियों को आमने सामने खेलते देखने में मजा आयेगा।'' कोहली और स्मिथ दोनों पूर्व कप्तान हैं और मैदान पर दोनों के बीच कई बार तीखी बहस हो चुकी है। पिछले कुछ समय में हालांकि इनके रिश्तों में सुधार आया है। स्मिथ ने कहा था कि तेवरों की बात करें तो कोहली भारतीय खिलाड़ियों में आस्ट्रेलियाई हैं। उन्होंने कहा था ,'' मेरा मानना है कि सोच और एक्शन के मामले में विराट कोहली आस्ट्रेलियाई हैं। वह जिस तरह से चुनौती का सामना करते हैं और विरोधी पर हावी होने की कोशिश करते हैं।

आजम से जिस तरह का बर्ताव हुआ उससे उसका आत्मविश्वास डगमगाया मोईन खान

पूर्व टेस्ट कप्तान मोईन खान ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में आजम खान के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उसके कारण उनके बेटे के आत्मविश्वास को ठेस पहुँची है। पाकिस्तान के इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने बेटे के करियर को हुए नुकसान के लिए पूर्व पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा को जिम्मेदार ठहराया है। कराची । पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान मोईन खान ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में आजम खान के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उसके कारण उनके बेटे के आत्मविश्वास को ठेस पहुँची है। पाकिस्तान के इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने बेटे के करियर को हुए नुकसान के लिए पूर्व पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा को जिम्मेदार ठहराया है। मोईन ने कहा कि अमेरिका में 2024 टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान द्वारा खेले गए सभी मैच देखने के बाद वह आत्मविश्वास से कह सकते हैं कि उनका बेटा विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त है। मोईन ने कहा, ''मैंने पूरा विश्व कप और उससे पहले के मैच देखे और ऐसा लग रहा था कि आजम विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी के लिए पहली पसंद था। फिर अचानक सिर्फ एक मैच के बाद पूरी रणनीति बदल दी गयी।'' आजम को फिटनेस को लेकर प्रशंसकों का गुस्सा झेलना पड़ा है। विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ टीम की शुरुआती मैच में वह पहली गेंद पर खाता खोले बगैर आउट हो गये थे।

क्या आप भी करते है बे वक्त डिनर, तो यहां जानें डिनर करने का सही टाइम

इन दिनों लोगों की लाइफस्टाइल इतनी ज्यादा खराब हो गई है कि ना उनके पास खाने का टाइम है ना ही खुद के लिए टाइम है. लोगों के ना तो खाने का टाइम फिक्स है ना ही उनके सोने का टाइम. वहीं हम सब जानते हैं कि हेल्दी डाइट हमारी सेहत के लिए कितनी ज्यादा जरूरी है. अगर हम अच्छी डाइट ना लें, तो इससे हमारे शरीर को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचता है.

आइए हम आपको बताते है कि किस टाइम आपको डिनर करना चाहिए किस टाइम नहीं.

जल्दी डिनर खाने के क्या है फायदा

पाचन तंत्र

अगर आप सात बजे के आसपास डिनर करते हैं, तो इससे आपके शरीर को खाना पचाने के लिए काफी ज्यादा टाइम मिलता है. साथ ही यह आपके पाचन को सही टाइम देता है.

एसिड रिफ्लक्स

अगर आप देर रात को खाना खाते है, तो इससे एसिड रिफ्लक्स की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है. लेकिन अगर

आप जल्दी खाना खाते है. तो इससे आपको नींद अच्छी आएगी और पेट में जलन भी कम होगी.

कैलोरी कंट्रोलअगर आप सात बजे डिनर करने के बाद रात को ओवरईटिंग नहीं करते है, तो आपको कम कैलोरी खाने और हेल्दी वजन मेंटेन करने में मदद मिलती है.

मेटाबॉलिज्म पर असरअगर आप टाइम पर डिनर करते हैं, तो इससे शरीर को मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है. जिससे कैलोरी बर्न होती है.

अच्छी नींद

अगर आप रात को देर से खाना खाते है, तो इससे आपकी नींद में दिक्कत आ सकती है. अगर आप शाम को डिनर करते हैं, तो इससे आपको अच्छी नींद आएगी.

बॉडी रिचार्ज

अगर आप टाइम पर खाना खाते हैं, तो आपके शरीर को आराम करने के लिए और बॉडी को रिचार्ज करने के लिए पूरा टाइम मिलेगा. इससे आपकी थकान भी दूर होती है.

ब्लड शुगर कंट्रोल

डिनर टाइम से करने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है.

हार्ट हेल्थ

टाइम पर डिनर करना दिल के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकता है.

स्पर्म की क्वालिटी के लिए स्ट्रेस बुरा नहीं, रिसर्च में हुआ अजीबोगरीब खुलासा

तनाव शुक्राणुओं के लिए अच्छा होता है. यह बात जानकर एक पल के लिए किसी को भी हैरानी हो सकती है कि तनाव भी किसी चीज के लिए अच्छा हो सकता है? दरअसल, एक नए रिसर्च के मुताबिक स्ट्रेस के कारण शुक्राणु में गतिशीलता आती है. अंडे को निषेचित करने के लिए महिला प्रजनन प्रणाली के माध्यम से आगे बढने की क्षमता को प्रभावित करता है. तनाव का हमारे प्रजनन स्वास्थ्य पर बहुत प्रभाव डालता है. लंबे समय तक तनाव में रहने से रिप्रोडक्टिव हेल्थ पर भी असर डालता है.

तनाव से शुक्राणु की क्वालिटी बेहतर होती है

हालांकि, एक नए रिसर्च से पता चलता है कि तनावपूर्ण घटना के बाद शुक्राणुओं की गति बेहतर होती है न कि घटना के दौरान. नया अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि तनाव प्रजनन को कैसे प्रभावित करता है और भ्रूण के विकास के परिणामों को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है. पिछले 50 सालों में शुक्राणु की गुणवत्ता और प्रजनन क्षमता में गिरावट आई है. इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण हमारे आसपास का वातावरण और प्रदूषण है. लेकिन शोधकर्ता अभी भी पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि ये बदलाव शुक्राणुओं को कैसे प्रभावित करते हैं.

अध्ययन से पता चलता है कि तनाव शुक्राणु की गतिशीलता या अंडे को निषेचित करने के लिए महिला प्रजनन प्रणाली के माध्यम से आगे बढने की इसकी क्षमता को प्रभावित करता है. शुक्राणु विकास में सहायता करने वाले एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स (ईवी) नामक छोटे कणों में परिवर्तन तनाव के बीत जाने के बाद देखा गया. शोधकर्ताओं ने पाया कि ये परिवर्तन तनाव के बीत जाने के बाद हुए, तनाव के अनुभव के दौरान नहीं.

स्ट्रेस का शुक्राणु का होता है ऐसा असर

हमारे शोध से पता चलता है कि तनाव के बाद शुक्राणु की गतिशीलता में काफी सुधार होता है. जो कोविड महामारी के दौरान तनावपूर्ण अवधि के बाद जन्म दर को बढ़ाने में मदद कर सकता है.

यह प्रभाव मानव और पशु दोनों अध्ययनों में देखा गया था, जो प्रजातियों में व्यापक संबंध का सुझाव देता है. अध्ययन के पहले लेखक डॉ निकोल मून ने इस प्रक्रिया

की तुलना थोड़े अतिरिक्त ईंधन के साथ अधिक कुशलता से चलने वाली कार से की.

तनाव से प्रेरित समायोजन शुक्राणुओं को ऊर्जा उत्पादन और गति में सुधार करने में मदद करते हैं. कल्पना करें कि आपके पास एक कार है जो खड़ी पहाड़ी पर चढने के लिए संघर्ष कर रही है. जब इंजन पर दबाव पड़ता है, तो कार कम कुशल हो जाती है. हालांकि, थोड़ा और गैस के साथ, आप एक चिकनी ड्राइव के लिए समग्र प्रदर्शन को बढ़ा सकते हैं. जिस तरह आपकी कार तनाव में अधिक कुशल हो जाती है, ठीक उसी तरह सही समायोजन के साथ, तनाव–प्रेरित कारक मौजूद होने पर कोशिकाएं अपने ऊर्जा उत्पादन और गति में सुधार करती हैं.

जूनियर एनटीआर की देवरा – पार्ट 1 पर सेंसर बोर्ड ने चलाई कैंची, 4 सीन हटाकर दिया यूध्ए सर्टिफिकेट?

कोरटाला शिवा की तेलुगु एक्शन फिल्म देवरारू पार्ट 1 में जूनियर एनटीआर लीड रोल प्ले कर रहे हैं. फिल्म 27 सितंबर को रिलीज होगी उसके पहले इसे चार मॉडरेशन के बाद सीबीएफसी ने यूध्ए सर्टिफिकेट दिया है. मेकर्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एनटीआर जूनियर की फिल्म देवरारू भाग 1 (तेलुगु) की रिलीज को हरी झंडी दे दी गई है और सेंसर ने इसे यूध्ए सर्टिफिकेट दिया है.

रिपोर्ट के मुताबिक मेकर्स को फिल्म में चार कट लगाने के लिए कहा गया था. जिसके बाद उन्हें यूध्ए सर्टिफिकेशन मिला. चार कट में से तीन वायलेंस वाले सीन थे. एक सीन था जिसमें कैरेक्टर अपनी पत्नी के पेट पर लात मारता है, जिसे बदलने के लिए कहा गया. दूसरा, एक और ऐसा ही दृश्य जिसमें एक किरदार अपनी मां को लात मारता है, उसमें भी इसी तरह का बदलाव करने को कहा गया है.

तीसरा, तलवार से लटकते हुए और फिर उसमें से नीचे की ओर फिसलते हुए एक किरदार के पांच सेकंड के शॉट को हटा दिया गया है. चौथा बदलाव टेक्निकल है जिसमें समुद्र में शार्क की सवारी करते जूनियर एनटीआर के फेमस शॉट को भी सीबीएफसी ने थोड़ा चेंज करने को कहा है क्योंकि शार्क सीजीआई के माध्यम से बनाई गई है. भारत में शूटिंग के दौरान जानवरों को नुकसान पहुंचाने की परमिशन नहीं दी गई है. इन चार सीन को बदलने के बाद देवरा पार्ट 1 का रनटाइम 2 घंटे 58 मिनट हो गया है और

इसे यूध्ए सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की मंजूरी दे दी है.फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. देवरारू पार्ट 1 में जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान भी लीड रोल में हैं. जूनियर एनटीआर देवरा में लीड रोल निभा रहे हैं वहीं सैफ विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं.

ध्वनि भानुशाली की फिल्म कहां शुरू कहां खतम का पहला गाना इश्क दे शाट हुआ रिलीज

ध्वनि भानुशाली फिल्म कहां शुरू कहां खतम से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए पूरी तातररू तैयार हैं और अब फिल्म के निर्माताओं ने पहला गाना इश्क दे शॉट रिलीज कर दिया है, जिससे फिल्म के प्रति लोगों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। यह पार्टी एंथम फेस्टिव सीजन के लिए एकदम सही है और शादियों में भी यह निश्चितरूप से पसंद किया जाएगा।

ध्वनि भानुशाली और आईपी सिंह द्वारा स्वरबद्ध किये गए इस गाने के बोल स्वयं आईपी सिंह ने लिखे है और उन्होंने अक्षय के साथ मिलकर इस गाने की रचना की है ,इश्क दे शॉट एक हाई एनर्जी डांस वाइब लाता है और आप निश्चितरूप से खुद को इस गाने पर थिरकने से नहीं रोक सकते। एक शादी की कॉकटेल पार्टी के बैकड्रॉप पर सेट, इस पेपी ट्रैक को पीयूष शाजिया द्वारा कोरियोग्राफ और निर्देशित किया गया है, जो मजेदार और जीवंत मूड को दर्शाता है।

ध्वनि भानुशाली और आशिम गुलाटी ने अपने एनर्जेटिक परफॉरमेंस के साथ सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। चाहे शादी हो, पार्टी हो या कोई त्यौहार, इश्क दे शॉट आप सभी को निश्चितरूप से आकर्षित करेगा और आपके पलायलिस्ट में अपमी जगह बनाएगा।

प्यार के इस मौसम का जश्न मनाइए क्योंकि यह गाना अब सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और खास तौर पर सारेगामा म्यूजिक के यूट्यूब चौनल पर उपलब्ध है। लक्ष्मण उतेकर की कहां शुरू कहां खतम में ध्वनि भानुशाली और आशिम गुलाटी अहम भूमिका में नजर आयेंगे, सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित यह फिल्म 20 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स प्रोडक्शन की इस यंग म्यूजिकल फैमिली एंटरटेनर फिल्म को विनोद भानुशाली, लक्ष्मण उतेकर, करिश्मा शर्मा और कमलेश भानुशाली द्वारा प्रोड्यूस किया गया है।

नए गाने के लिए फिर साथ आए आलिया भट्ट-दिलजीत, जिगरा के सेट से सामने आई बीटीएस तस्वीर

आलिया भट्ट अपनी आगामी फिल्म जिगरा की रिलीज के लिए तैयार है. एक्ट्रेस फिल्म का प्रमोशन जोरशोर से कर रही हैं. हाल ही में राजी एक्ट्रेस ने जिगरा के सेट से एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ संग दिख रही हैं. दोनों की एक साथ की तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है.

आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म जिगरा से जुड़ी जानकारी साझा की. एक्ट्रेस ने पंजाबी सिंगर दिलजीत के साथ फोटो शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, कुर्सियां सब कुछ कह देती हैं. तस्वीर में आलिया भट्ट और दिलजीत कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं. आलिया की कुर्सी पर द सैड कुडी लिखा है. बगल में बैठे दिलजीत दोसांझ की कुर्सी पर लिखा है, कुड़ी के बारे में गाते है. दोनों स्टार कैमरे की ओर अपना पीठ करके बैठे हुए है. वहीं बैकग्राउंड में रोशनी से जगमगाती जिगरा का टाइटल देखा जा सकता है.आलिया के पोस्ट करते ही फैंस के रिएक्शन आने शुरू हो गए. एक फैन ने कमेंट कर लिखा है, तो आलिया और दिलजीत की सुपरहिट म्यूजिकल जोड़ी आधिकारिक तौर पर बन रही है. हम बहुत उत्साहित हैं. एक दूसरे फैन ने लिखा है, मैं उनके आने वाले एक और धमाकेदार गाने का इंतजार नहीं कर सकता. एक यूजर ने लिखा है, एक और ब्लॉकबस्टर आ गई है. एक अन्य ने कमेंट किया है, अब यह मेरा नया पसंदीदा गाना बनने जा रहा है. एक यूजर ने लिखा, दिलजीत और जिगरा की सबसे प्रतीक्षित जादुई जोड़ी यहां है. मैं इसके लिए इंतजार नहीं कर सकता. मैं बहुत उत्साहित हूं. इससे पहले पहले आलिया भट्ट और दिलजीत दोसांझ फिल्म उड़ता पंजाब के गाने इक कुड़ी में पहली बार साथ आए थे. यह गाना काफी हिट हुआ था. फैन्स ने इसे खूब पसंद किया था. अब दोनों जिगरा के नए गाने के लिए एक साथ आने वाले हैं. आलिया ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ जिगरा को को–प्रोड्यूस भी किया है. आलिया भट्ट ने पहली बार 2022 में फिल्म डार्लिंग्स को प्रोड्यूस किया था. फिलहाल आलिया और वेदांग स्टारर 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बाक्स आफिस स्त्री 2 की पकड़ बरकरार, 600 करोड़ रुपये की ओर कमाई

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर श्स्त्री 2च साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर हिट फिल्मों में से एक बन चुकी है. फिल्म को दर्शकों ने इतना शानदार रिस्पॉन्स दिया कि मेकर्स और स्टारकास्ट को भी इसकी उम्मीद नहीं थी. ये हॉरर कॉमेडी रिलीज के पहले दिन से बमफाड़ कमाई कर रही है और इसने अब तक कई फिल्मों के धूल चटा दी है. यहां तक कि रिलीज के चौथे हफ्ते में भी इसकी पकड़ बॉक्स ऑफिस से ढीली नहीं पड़ी है और ये करोड़ों में ही कलेक्शन कर रही है. चलिए यहां जानते हैं श्स्त्री 2च ने रिलीज के 29वें दिन यानी चौथे गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है?

श्स्त्री 2च 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को सिनेमाघरों में बवाल काटते हुए एक महीना होने वाला है लेकिन इसका क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर अब भी बोल रहा है. इसी के साथ फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में खूब भीड़ पहुंच रही है. हालांकि अब श्स्त्री 2च की कमाई सिंगल डिजिट में हो रही है लेकिन तब भी ये करोड़ों में ही कारोबार कर रही है.

वहीं श्स्त्री 2च के कलेक्शन की बात करें तो ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श द्वारा शेयर किए दए आंकड़ों के मुताबिक श्स्त्री 2च ने अपने पहले हफ्ते में 307. 80 करोड़, दूसरे हफ्ते में 145. 80 करोड़ और तीसरे हफ्ते में 72.83 करोड़ का बिजनेस किया था. वहीं चौथे शुक्रवार फिल्म ने 4.84 करोड़, चौथे शनिवार 8.77 करोड़, चौथे रविवार 11.40 करोड़, चौथे सोमवार 3.60 करोड़, चौथे मंगलवार 3.20 करोड़ और चौथे बुधवार को 3.04 करोड़ कमाए. इसी के साथ श्स्त्री 2च की 28 दिनों की कुल कमाई 561.28 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं अब फिल्म के 29वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्स्त्री 2च ने रिलीज के 29वें दिन 2.75 करोड़ का कारोबार किया है. इसी के साथ श्स्त्री 2च की 29 दिनों की कुल कमाई अब 564.03 करोड़ रुपये हो गई है.इसी के साथ

उम्मीद है कि श्स्त्री 2च इस वीकेंड पर जवान के हिंदी वर्जन में लाइफटाइम कलेक्शन (584 करोड़) को मात दे देगी और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन जाएगी.बता दें कि श्स्त्री 2च का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है. ये फिल्म स्त्री, रूही, भेडिया और मुंज्या के बाद मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं इंस्टॉलमेंट है और 2018 की रिलीज स्त्री की सीक्वल है. फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने अहम रोल प्ले किया है.।

परेश रावल की नई फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का ऐलान, पहला पोस्टर जारी

परेश रावल को आखिरी बार अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब परेश की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम जो तेरा है वो मेरा है है। फिल्म के निर्देशन की कमान राज त्रिवेदी ने संभाली है।फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें परेश समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।फिल्म जो तेरा

है वो मेरा है 20 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी।फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर आएगी। इसे जियो सिनेमा प्रीमियम के माध्यम से देखा जा सकता है, जिसकी कीमत 29 रुपये प्रति महीना है।इस फिल्म में अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी, सोनाली सेगल, फैसल मलिक और आदित्य रावल जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं।अजय जी राय इस फिल्म के निर्माता हैं। इस बीच, काम के मोर्चे पर, परेश रावल को आखिरी बार अक्षय कुमार और राधिका मदान के साथ सरफिरा में देखा गया था। वरिष्ठ अभिनेता ने एयरलाइन कंपनी के मालिक परेश गोस्वामी की भूमिका निभाई। अच्छी प्रतिक्रिया के बावजूद, सरफिरा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।दिग्गज अभिनेता की आने वाली फिल्मों में बदतमीज गिल और वेलकम टू द जंगल शामिल हैं। नवजोत गुलाटी की बदतमीज गिल में वह वाणी कपूर और अपारशक्ति खुराना के साथ नजर आएंगे। दूसरी ओर, अहमद खान की वेलकम टू द जंगल में वह कई स्टार कलाकारों के साथ नजर आएंगे।

अशनूर कौर ने टुकटुक पर एक दिलचस्प बचाव कहानी साझा की

सुमन इंदौरी में मुख्य किरदार निभा रहीं अभिनेत्री अशनूर कौर ने इंदौर के जीवंत और चहल–पहल वाले सराफा बाजार में शो की शूटिंग के दौरान टुकटुक पर एक दिलचस्प बचाव कहानी शेयर की है।इंस्टाग्राम पर 9.9 मिलियन फॉलोअर्स वाली अशनूर ने इंदौर, मध्य प्रदेश में शो की शूटिंग के दौरान की कुछ बिहाइंड–द–सीन (बीटीएस) झलकियां शेयर की हैं।एक वीडियो में अशनूर को गुलाबी रंग का कुर्ता और नीली डेनिम पहने हुए दिखाया गया है, जबकि

वह सराफा बाजार में एक सीक्वेंस की शूटिंग कर रही हैं। मध्य इंदौर में स्थित यह बाजार रात के स्ट्रीट फूड कोर्ट के लिए प्रसिद्ध है। यह अपने व्यंजनों और रात की जीवनशैली के कारण एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।क्लिप में अशनूर को भारी भीड़ के बीच अपनी टीम के साथ आगे बढ़ते हुए और फिर खुशी–खुशी टुकटुक रिक्शा में यात्रा करते हुए दिखाया गया है।वह कहती हैं, हमने सराफा शूट पूरा कर लिया है... वहां इतनी भीड़ हो गई थी कि हमें टुकटुक में सवार होकर जाना पड़ा... इसके बाद अशनूर कैमरा घुमाती हैं और रिक्शा पर बैठी अपनी टीम की झलक दिखाती हैं।युवा दिवा ने दुपट्टा वाला पल भी शेयर किया, छप्पन दुकान पर स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाते हुए एक वीडियो भी शेयर किया और इंदौर के डेली कॉलेज में प्रकृति और जानवरों से भी बातचीत की।तस्वीरों की यह श्रृंखला पूरी टीम के साथ एक खुशनुमा ग्रुप फोटो के साथ खत्म हुई।इस शो में जैन इमाम मुख्य भूमिका में हैं। सुमन इंदौरी कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।इस बीच, अशनूर ने पॉच साल की उम्र में अपना करियर शुरू किया, 2009 के शो झांसी की रानी में प्राची का किरदार निभाया। झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के जीवन पर आधारित इस शो में उल्का गुप्ता ने मुख्य भूमिका निभाई थी। सके बाद उन्होंने शो शोभा सोमनाथ की में युवा राजकुमारी शोभा की भूमिका निभाई।अशनूर टीवी शो– ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, द एडवेंचर्स ऑफ हातिम, तुम साथ हो जब अपने, सियासत, ये रिश्ता क्या कहलाता है, पृथ्वी वल्लभ और पटियाला बेब्स में नजर आ चुकी हैं।

ब्लू डेनिम आउटफिट में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने मचाया धमाल

एक्ट्रेस निक्की तंबोली आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड और हॉट ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तबाही मचा देता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान स्टाइलिश डेनिम आउटफिट पहना हुआ था, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी

अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस हमेशा लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

बालों को कर्ली स्टाइल में ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करती है तो वो जल्दी ही वायरल होने लगती है।

गोट की गिर रही कमाई, विजय की फिल्म ने बाक्स आफिस पर 8वें दिन किया मामूली कलेक्शन

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की एक्शन थ्रिलर फिल्म गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) के बॉक्स ऑफिस पर 8 दिन पूरे हो गए हैं. फिल्म गोट बीती 5 सितंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई थी. फिल्म गोट ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं, भारत में 200 करोड़ रुपये कमाने में गोट के पसीने छूट रहे हैं. गोट ने आठवें दिन कितनी कमाई की है. आइए जानते हैं.बता दें, गोट ने वर्ल्डवाइड 126 करोड़ रुपये की बंपर कमाई से खाता खोला था. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 8वें दिन इंडिया में 6.5 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. गोट का यह अब तक का सबसे कम कलेक्शन है. फिल्म अपने दूसरे वीकेंड में एंटर कर गई है

42 साल की उम्र में कर्वी फीगर, बोल्डनेस की बहार....प्रियांका चोपडा

रामलीला एक्ट्रेस को तस्वीरों में अपने पति और बच्चों के साथ वेकेशन का आनंद उठाते हुए देखा जा सकता है। चोपड़ा एक स्किमी बिकनी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जिसमें उनके परफेक्ट कर्व्स दिख रहे हैं।कौन यकीन करेगा की प्रियंका चोपड़ा 42 साल की है। जैसे–जैसे पीसी की उम्र बढ़ रही है उनकी खूबसूरती और बढ़ती जा रही है। उन्होंने अपना काफी अच्छे से ख्याल रखा और आज वह किसी भी हॉलीवुड श्न्यू स्टारश को कांटे की टक्कर दे सकती हैं। वैसे प्रियंका चोपड़ा खुद में एक बहुत बड़ा नाम है उन्हें किसी को टक्कर देने की जरूरत नहीं हैं। यह तो हमने उनकी खूबसूरती को बयां करते हुए थोड़ी अतिशयोक्ति कर दी।वैसे इस न्यूज में हम आपको बता रहे हैं कि प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने वेकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की है जो काफी ज्यादा वायरल हो रही हैं। तस्वीरें कोई ऑफिशियल टाइप फोटोशूट नहीं है मोबाइल से खींची गयी कुछ नॉर्मल तस्वीरें हैं जो फैंस को प्रियंका चोपड़ा की लाइफ से कनेक्ट कर रही हैं। तस्वीरों से प्रियंका चोपड़ा की निजी जिंदगी की झलक मिलती हैं। रामलीला एक्ट्रेस को तस्वीरों में अपने पति और बच्चों के साथ वेकेशन का आनंद उठाते हुए देखा जा सकता है। चोपड़ा एक स्किमी बिकनी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जिसमें उनके परफेक्ट कर्व्स दिख रहे हैं। इसी कैरोसेल पोस्ट में, अभिनेत्री ने बेटी मालती की तस्वीरें और वीडियो भी शामिल किए, जो अपनी छुट्टियों के हर पल का आनंद लेती दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पर, बाजीराव मस्तानी स्टार ने तस्वीरों को कैप्शन दिया,।

और कहा जा रहा है कि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में तेजी आ सकती है. गोट का कुल घरेलू नेट कलेक्शन 177.75 करोड़ रुपये का हो गया है.वहीं, गोट ने अपने घर तमिलनाडु में अभी भी ज्यादा कमा रही है. तमिलनाडु में फिल्म का ऑक्यपेंसी रेट 24.15 फीसदी दर्ज हुआ है. बता दें, फिल्म अब भारत में 200 करोड़ रुपये के आंकड़े की ओर बढ़ रही है. विजय की फिल्म को वेंकट प्रभु ने डायरेक्ट किया है. फिल्म 380 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट में बनी है. फिल्म में विजय के साथ प्रशांत और प्रभुदेवा जैसे एक्टर भी हैं. फिल्म विजय का डबल रोल देखने को मिल रहा है. विजय के फैंस के लिए यह बड़ा तोहफा है.

सांसद और विधायक ने किया पर्यटन विभाग के कार्यालय का शिलान्यास

2 करोड़ 21 लाख की लागत से बनेगा पर्यटन विभाग का कार्यालय

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से पर्यटन एवम संस्कृत मंत्री जयवीर सिंह की स्वीकृति के क्रम में शहर के रामचंद्र विद्यार्थी परिसर में 2 करोड़ 21 लाख की लागत से बनने वाले पर्यटन विभाग के कार्यालय का शिलान्यास शनिवार को सदर सांसद शशांक मणि, विधायक डा शलभ मणि त्रिपाठी तथा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की गरिमामई उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत भूमि पूजन करके किया गया । नए भवन में पर्यटन कार्यालय भवन, पार्किंग में ट्रिमिक्सिंग का कार्य, इंटरलॉकिंग का कार्य, रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य, बोरिंग मय समरसेबुल तथा हार्टिकल्चर का कार्य कराया जायेगा । इस अवसर पर मुख्य अतिथि सदर सांसद शशांक मणि ने कहा कि इस भवन के बन जाने से देवरिया जनपद में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा तथा आम जनता को सुविधाएं मिलेंगी । उन्होंने कहा कि पर्यटन आपको उस जगह, उसकी संस्कृति और उसकी विरासत के बारे में जानने का मौका देता है, इसके अलावा, जब आप परिचित होते हैं, तो व्यक्तिगत विकास की जबरदस्त संभावना होती है। व्यक्तिगत विकास से बेहतर व्यावसायिक अवसर भी मिलते हैं। डा शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि पर्यटक किसी गंतव्य पर जाते हैं और आवास, परिवहन, भोजन, खरीदारी और विभिन्न सेवाओं पर पैसा खर्च करते हैं। यह व्यय स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है, व्यापारिक गतिविधियों और नई नौकरियों को बढ़ाता है । इससे देवरिया शहर का सुनियोजित विकास होगा । जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि पर्यटन उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। यह रोजगार पैदा करता है, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, स्थानीय बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देता है और प्राकृतिक पर्यावरण और सांस्कृतिक संपत्तियों और परंपराओं को संरक्षित करने और गरीबी और असमानता को कम करने में मदद कर सकता है। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष अलका सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, महामंत्री रविंद्र कौशल, कृष्ण नाथ राय, मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा, परियोजना प्रबंधक मनोज सहाय, पर्यटन अधिकारी प्राण रंजन, सतीश चंद श्रीवास्तव, अवर अभियंता अशोक सिंह, नगर महामंत्री दुर्गेश नाथ त्रिपाठी, दिनेश शुक्ला, प्रिंस चतुर्वेदी सहित अन्य कार्यकर्ता और अधिकारी उपस्थित रहे ।

हिण्डाल्को, रेणुकूट को मिला सीआइआइ "नेशनल एनर्जी एफिशिएंट यूनिट" अवार्ड

रेणुकूट(सोनभद्र)(आरएनएस)। आदित्य बिड़ला समूह की अग्रणी कंपनी हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट को ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में किए गए प्रशंसनीय कार्यों के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आइ.आइ.) द्वारा "नेशनल एनर्जी एफिशिएंट यूनिट" का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार के लिए विभिन्न क्षेत्रों की 570 से अधिक कंपनियों ने प्रतिभाग किया था, जिसमें मेटल सेक्टर की 14 कंपनियों का चयन कर उन्हें प्रस्तुतिकरण एवं प्रश्नोत्तरी के लिए आमंत्रित किया गया था। हैदराबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में हिण्डाल्को रेणुकूट की तरफ से ऊर्जा विभाग से विवेक अग्रवाल एवं स्मेल्टर प्लांट से नीरज राज ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। हिंडाल्को द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के उपरांत हिण्डाल्को रेणुकूट यूनिट को "नेशनल एनर्जी एफिशिएंट यूनिट" का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। संस्थान के इस श्रेष्ठ उपलब्धि पर हिण्डाल्को, रेणुकूट क्लस्टर के सीओओ एन नागेश, क्लस्टर के मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह, स्मेल्टर प्लांट हेड जेपी नायक, अलुमिना प्लांट हेडएनएन रॉय, रेणुपॉवर के यूनिट हेड आरपी सिंह, लेखा विभाग के हेड उज्जवल केश व प्रोजेक्ट हेड राजेश कपूर आदि ने कारखाने में ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के प्रयासो की सराहना करते हुए संस्थान में कार्यरत समस्त कर्मचारियों को बधाई दिया और भविष्य में भी इसी प्रकार ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में नए मानक एवं कीर्तिमान स्थापित करने की मंशा जताई। ऊर्जा विभाग के राजीव सिंह व रजनीश सिंह आदि ने विशेष सहयोग दिया।

एनसीएल में राजभाषा पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

हिन्दी को बनाये कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग-बी. साईराम

सिंगरौली/सोनभद्र(आरएनएस)। एनसीएल मुख्यालय में आयोजित उद्घाटन समारोह के दौरान सीएमडी, एनसीएल बी. साईराम बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में कहा की एनसीएल परिवार सहित सभी हितग्राहियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनायें दी। साथ ही उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा होने के साथ ही देश को एकता और अखंडता के सूत्र में पिरोने का भी काम करती है। उन्होनें हिन्दी को राष्ट्र की संस्कृति, सभ्यता और पहचान का अभिन्न अंग बताते हुए हिन्दी को भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम भी बताया। एनसीएल के सभी परियोजना व इकाई प्रमुख भी आभासी विधि से इस कार्यक्रम में शिरकत किए।कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक (कार्मिक) प्रमोद कुमार सिन्हा ने माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार अमित शाह तथा उप महाप्रबंधक (कार्मिकध्भर्ती) राजेश चौधरी ने माननीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार जी. किशन रेड्डी एवं वरीय प्रबन्धक (कार्मिकध्प्रशासन) नागेंद्र यादव ने कोल इंडिया अध्यक्ष, पी. एम. प्रसाद के हिन्दी दिवस पर प्राप्त संदेशों का वाचन किया ।

कार्यक्रम की शुरुआत में महाप्रबंधक(कार्मिकध्राजभाषा) विक्टर कुजूर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अंत में प्रबन्धक (कार्मिकध्औद्योगिक संबंध) श्री पाण्डेय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रबन्धक(कार्मिकध्कल्याण) राम कुमार राठौर द्वारा किया गया। कंपनी की सभी परियोजना एवं इकाइयों में भी हिंदी दिवस पर राजभाषा पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। गौरतलब है कि एनसीएल में 14 सितम्बर से आगामी 28 सितंबर तक राजभाषा पखवाड़ा 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान कंपनी में राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार एवं प्रयोग को बढ़ावा दिए जाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

हिंदी को राष्ट्र भाषा घोषित कर काम–काज से भारतीयता को आगे बढ़ाएं

शाहगंज (सोनभद्र)(आरएनएस)। स्थानीय बाजार में स्थित ओड़हथा मोहल्ले में सोनभद्र के वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी की प्रेरणा से हिंदी दिवस पर शनिवार को एक संगोष्ठी की गई। इस मौके पर स्थानीय मीडिया एवं बुद्धिजीवियों ने राज भाषा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। वक्ताओं ने कहा कि जितनी आवश्यकता अधिक से अधिक भाषाओं का ज्ञान होना जरूरी है उससे कहीं अधिक अपने देश में राष्ट्र भाषा हिंदी का होना भी जरूरी है। वक्ताओं ने कहा कि पूरे विश्व में हिंदी ही एक मात्र ऐसी भाषा है, जो एक दूसरे को जोड़ने का काम करती है। कहा गया कि हिंदी हमारे देश की बिंदी है और देश की आन–बान और शान है। देश में राष्ट्र भाषा के रूप में हिंदी को घोषित किया जाना चाहिए। यही नहीं, हिंदी को राष्ट्रभाषा के तौर पर समूचे राजकीय कार्यालयों में अधिकाधिक काम–काज किए जाने की जरूरत है।कहा गया कि आज के परिवेश में विदेशी भाषा अंग्रेजी को अपनी आन–बान और शान समझते हैं। बच्चों को भी उसी तरह के संस्कार दिए जा रहे हैं। जो भारतीय संस्कृति और सभ्यता के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। इस पर हम सभी को गंभीरता से विचार कर रोक लगाने की जरूरत है। आज यही कारण है कि अंग्रेजी माध्यम के महंगें आधुनिक विद्यालय कुकुरमुत्ते की तरह फैलते जा रहे हैं। जिसके कारण राजकीय विद्यालयों की दुर्दशा होती जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि पढ़ने वाले बच्चे प्रायमरी स्कूल में भी पढ़ कर आगे बढ़ सकते हैं और न पढ़ने वाले बच्चे किसी भी विद्यालय में नहीं पढ़ सकते हैं। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार नागर, ज्ञानदास कन्नौजिया, डाक्टर रमेश कुमार कुशवाहा, परिवेश श्रीवास्तव, काजू श्रीवास्तव, रामरुप शुक्ला, रामकेश विश्वकर्मा, शिवपूजन विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार मिश्र, रिंकू पाठक आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन पत्रकार सत्य प्रकाश मिश्रा ने किया।

ग्रामीणों ने की सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाने की मांग

कोन(सोनभद्र)(आरएनएस) ओबरा तहसील के नवसृजित विकास खण्ड कोन अंतर्गत ग्राम पंचायत कचनरवा में मुख्य मार्ग कोन कचनरवा विंढमगंज, बागेसोती मार्ग, अस्पताल रोड से सटे मुख्य मार्ग के किनारे जगह–जगह रोड खराब हो गए हैं जहां लगभग थोड़ी बरसात ही सड़क तालाब में तब्दील हो जाता है वहीं दूसरी सड़क किनारे मुर्गा, मछली के दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण करके मांस, मछली की खुली दुकानें लगायी जाती है जो कि मुख्यमंत्री द्वारा संबंधित विभाग को स्पस्ट निर्देश दिया गया है कि खुले में मांस मछली की बिक्री न हो किन्तु आदेश को दरकिनार करते हुए स्थानीय दुकानदारों द्वारा सड़क अतिक्रमण करके खुलेयाम मांस मछली की बिक्री की जाती है जससे उठ रहे दुर्गंध से आने जाने वाले लोगों व संभ्रांत लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि लोगों का सड़क पर चलना दुश्वार है साथ ही इन मुर्गा मछली अंडा की खुली दुकानों से उठ रही दुर्गंध के कारण आम जनमानस में बीमारी फैलने का भी खतरा बना रहता है इस रास्ते से जाने वाले पंचायत बागेसोती, लौकवा खाडी, बड़ाप् बरवाहीखोली, किशुनपुर वा, पीपरखाड़ सहित झारखंड, हॉस्पिटल रोड, बागेसोती रोड मुख्य मार्ग पर दर्जनों ग्राम पंचायत लोगों का आना जाना रहता है जो कि लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है । बतातें चले कि खुले मांस मछली से आम जनमानस में बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है। इस रास्ते से आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है जिसे हर समय मुर्गा मछली के दुकानदारों से झगड़ा होने की हमेशा संभावना बनी रहती है। ग्रामीण अरुण कुमार शर्मा, बिहारी, राजेंद्र, प्रदीप आदि ने जिलाधिकारी व स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल अतिक्रमण हटाने की माँग की है।

तार टूटने से चार गांव में 10 दिन से छाया अंधेरा

जौनपुर(आरएनएस) । सराख्वाजा थाना क्षेत्र के चार गांव में जर्जर तार टूटने से 10 दिन से अंधेरा छाया हुआ है । जिसके चलते किसानो के फसलों की सिंचाई बाधित है जिसके चलते फसले सूखने के कगार पर हैं। उधर विभाग की जिम्मेदारों के खिलाफ लोगों का आक्रोश बढ़ गया है। देवकली सरायख्वाजा पावर हाउस से नदियापारे फीटर की विद्युत आपूर्ति से जुड़े चार गांव में विद्युत आपूर्ति ठप है। जिसमें मंगदपुर रज्जीपुर कुकुडीपुर ,देवकली , सैदपुर गडऊर मे 10 दिन से अंधेरा छाया हुआ है। बताया जाता है कि अंग्रेज जमाने के लगे तार पूरी तरह से जर्जर हो गए हैं। जो आए दिन जगह–जगह टूटते रहते हैं। जिसके चलते विगत 10 दिनों से इन गांव की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से प्रभावित है । तार टूटने के बाद विद्युत विभाग से जुड़े जिम्मेदार कर्मचारियों देवकाली के चन्दन यादव के मशीन के पास लगे जम्पर भाग से कनेक्शन काट देते हैं। जिसके चलते विद्युत आपूर्ति बंद है । इससे किसानों के फसलों की सिंचाई नहीं हो पा रही है ,साथ ही विद्युत आपूर्ति न होने से लोगों के लाइट पंखे मोबाइल आदि बंद पड़े हैं । रात मे बच्चों के पठन–पाठन की समस्या हो रही है। जिसके चलते लोगों में काफी आक्रोश बना हुआ है। जिसमें विद्युत विभाग के अधिकारियों को मंगतपुर के निवासी मुन्ना सिंह राजेंद्र सिंह घनश्याम सिंह चित्रसेन सिंह महादेव सिंह अनिल पांडेय ने प्रार्थना पत्र देकर विद्युत ठीक करने की गुहार लगाई। लोगों ने कहा कि अगर विद्युत विभाग के लोग इस पर कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाते हैं तो हम लोग जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। एरिया लाइनमैन से खफा है बताते हैं की एरिया लाइनमैन की लापरवाही के चलते ही यह समस्या बनी है ।

अवधी लोक संगीत महोत्सव में दर्शक मन्त्र मुग्ध

जौनपुर(आरएनएस)। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित रिपेट्री अनुदान के अंतर्गत सर्वांगीण विकास सेवा अकादमी के सौजन्य से अमारी गांव स्थित संस्था मुख्यालय पर एक दिवसीय अवधी लोक संगीत महोत्सव कार्यक्रम विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ।संगीत उत्सव कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने लोकगीत,लोकनृत्य,भजन,कजरी,सोहर,नटका आदि के माध्यम से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।लोक संगीत उत्सव के प्रारंभ में संगमलता व साथी टीम ने वृंदावन जाउंगी सखी वृंदावन जाऊंगी मोहे उठे विरह के पीर सखी वृंदावन जाऊंगी की प्रस्तुति से लोगों को भाव विभोर कर दिया।कार्यक्रम में बृजेश पाण्डेय ने कजरी गीत चला राम जन्मभूमि हम दिखाई देब अयोध्या घुमाई देब ना की अनुपम प्रस्तुति से संगीत प्रेमियों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में लोक कलाकार अंकित मिश्रा, लालचंद पाण्डेय,लालचंद शर्मा,मोहम्मद इस्लाम, आरती पाण्डेय,प्रीती तिवारी ,गिरजाशंकर मिश्रा, सौरभ पाण्डेय,गौरव पाण्डेय,लालता प्रसाद विश्वकर्मा आदि लोक कलाकारों ने भी लोक विधा पर आधारित लोक संगीत प्रस्तुत कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।संचालन इंद्र कुमार ने किया तथा सर्वांगीण विकास सेवा अकादमी के अध्यक्ष पंड दयाशंकर पांडे एवं सचिव पंड इंदुप्रकाश मिश्रा ने लोक कलाकारों का उत्साह वर्धन करते हुए आए हुए अतिथियों के प्रति अपना आभार प्रकट किया।इस अवसर पर भारी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

स्मार्टफोन पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

जौनपुर(आरएनएस)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में लैपटॉपध्स्मार्टफोन का वितरण कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो0 वंदना सिंह के संरक्षकत्व में शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार सिंह थे। मुख्य अतिथि कहा कि विद्यार्थी समय का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। सरकार ने छात्रों और युवाओं को डिजिटल शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य से लैपटॉप और स्मार्टफोन वितरण योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा में सहायता करने और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए यह योजना सरकार द्वारा चलाई जा रही है। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो अजय द्विवेदी ने कहा कि स्मार्टफोन छात्रों और युवाओं को न केवल शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी, बल्कि वे डिजिटल दुनिया में भी मजबूती से कदम रख पाएंगे।

एनटीपीसी–विंध्याचल में राजभाषा पखवाड़ा का किया गया विधिवत शुभारंभ

सोनभद्र(आरएनएस)। एनटीपीसी–विंध्याचल में राजभाषा पखवाड़ा, 2024 का उद्घाटन परियोजना के प्रशासनिक भवन सीवी रमन सभागार में हर्षोल्लास के साथ किया गया। राजभाषा अनुभाग द्वारा दिनांक 14 सितंबर 2024 से 29 सितंबर, 2024 तक राजभाषा पखवाड़ा, 2024 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कर्मचारियों, गृहणियों, स्कूली बच्चों, संविदकर्मियों एवं नगरवासियों के लिए विभिन्न प्रतियोगितायें जैसे दृ हिंदी हस्तलेखन, कविता पाठ, हिंदी मुहावरे, कहानी, हिंदी वर्ग पहेली, नारा प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नोतरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन शामिल है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुये दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। तत्पश्चात एनटीपीसी गीत गाकर कार्यक्रम को गति प्रदान की गई। मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) समीर शर्मा, महाप्रबंधक (मेंटीनेंस) आशुतोष सत्पथी, महाप्रबंधक (हरित रसायन) सूजय कर्माकर, महाप्रबंधक (संविदा एवं सामग्री) डी के अग्रवाल, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) राकेश अरोड़ा के साथ–साथ सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, अपर महाप्रबंधकगण, राजभाषा विभागीय प्रतिनिधिगण, यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं मीडिया प्रतिनिधिगण शामिल हुये। श्री अरोड़ा ने कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ता एवं सभी अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि 14 सितंबर 1949 के दिन संविधान सभा ने हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिये जाने का निर्णय लिया था। साथ–ही यह संकल्प भी लिया गया था कि संघ सरकार राजभाषा हिंदी के प्रयोग की दिशा में क्रमिक विकास के लिये प्रयासरत रहेगी। उन्होनें परियोजना में पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली राजभाषा प्रतियोगिताओं में सभी को अधिकाधिक मात्रा में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। श्री दुबे ने कहा कि हमारे सभी समाज–सुधारकों ने भी इस बात पर विशेष जोर दिया है कि भारत को एकता के सूत्र में पिरोने की क्षमता हिंदी भाषा में ही है। हिंदी बड़ी ही लचीली एवं एकात्म करने वाली भाषा है अर्थात हिंदी ने किसी भी भाषा के शब्द का विरोध नहीं किया है। इसमें उर्दू, अरबी, फारसी, रूसी, चीनी, इंग्लिश के साथ–साथ भारतीय भाषाओं–बंगाली, गुजराती और अनेक प्रादेशिक भाषाओं के शब्द कुछ इस तरह से एकाकार हो गए हैं कि उन्हें हिंदी से अलग करना कठिन है। हिंदी की इन्हीं विशेषताओं के कारण हमारे संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को इसे भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ प्रबन्धक (मानव संसाधन) कामना शर्मा द्वारा किया गया। उन्होने अपने संचालन के दौरान राजभाषा पखवाड़ा, 2024 के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं की विस्तृत जानकारी दी।

जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने कार्यभार संभाला

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादड़ स्थानांतरण प्रयागराज के लिए कर दिया गया है। उनके स्थान पर नये जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र होंगे। नये जिलाधिकारी ने ष्षनिवार को कोषागार में कार्यभार ग्रहण कर लिया और अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और कलेक्ट्रेट का भ्रमण किया। दिनेश चंद्र जिले के 59 वे जिलाधिकारी होंगे। रविंद्र कुमार का सात महीना 12 दिन का कार्यकाल रहा। सहारनपुर में जिलाधिकार का कार्यभार संभाल चुके चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास विभाग उ.प्र. शासन के विशेष सचिव रहे डॉ. दिनेश चंद्र 2012 बैच के आईएएस हैं। वह डीएम बहराइच के पद पर भी रह चुके हैं। . दिनेश चंद्र 5 नवम्बर 2018 को अलीगढ़ में बतौर मुख्य विकास अधिकारी के पद पर तैनात थे। 15 फरवरी 2019 तक वह इस पद पर बने रहे। इसके बाद वह गाजियाबाद में नगर निगम के नगर आयुक्त बनाए गए। 15 अगस्त 2020 तक वह इस पद पर बने रहे।इसके बाद उन्हें 15 अगस्त 2020 को कानपुर देहात का डीएम बनाया गया। 02 मार्च 2021 तक उन्होंने इस पद को संभाला इसके बाद शासन ने उन्हें संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश का विशेष सचिव नियुक्त किया। 02 मार्च 2021 से 05 जून 2021 तक वह इस पद पर तैनात थे।इसके बाद शासन ने उन्हें 05 जून 2021 को बहराइच का डीएम नियुक्त किया। 19 मई 2023 तक वह बहराइच के डीएम रहे इसके बाद 19 मई 2023 को उन्हें सहारनपुर का डीएम बनाया गया। 25 जून 2024 तक वह इस पद पर रहे। इसके बाद शासन ने उन्हें 25 जून 2024 को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग लखनऊ का विशेष सचिव बनाया।वह इस पद पर बने रहे। 13 सितंबर 2024 की रात को उन्हें जौनपुर के नए जिलाधिकारी के रूप में शासन द्वारा भेज दिया गया। 1 जुलाई 1966 को जन्मे डॉ. दिनेश चंद्र मूल रूप से बिजनौर जिले के रहने वाले हैं।

इंटरनल स्मार्ट इंडिया में 15 टीमों ने किया प्रतिभाग

जौनपुर(आरएनएस)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित इंजीनियरिंग संस्थान के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में इंटरनल स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें कुल 15 टीमों ने प्रतिभाग किया। टीम द्वारा प्रस्तुत प्रेजेंटेशन का मूल्यांकन जूरी मेंबर डॉ विक्रांत भटेजा (विभागाध्यक्ष), कृष्ण कुमार यादव, डॉ सुनील यादव, डॉ प्रशांत कुमार यादव एवं दीप्ति पांडे द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन आद्रिका वर्मा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु बी० टेक० सीएसई एंड आईटी के छात्रों अमन वर्मा, क्षितिज प्रताप सिंह, निहार श्रीवास्तव, इप्शिता श्रीवास्तव, विनीत त्रिपाठी, रितेश चौधरी, पृथ्वीराज वर्मा, विवेक सिंह, अंशुल कुमार, समीर प्रताप सिंह और मृदुल गुप्ता ने अपना योगदान दिया ।

मनुष्य की संगत ही उसके जीवन का बनाती है नक्शा

जौनपुर(आरएनएस),। मड़ियाहूं पड़ाव स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर जोनल स्तरीय इंग्लिश मीडियम समागम आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के 43 शाखाओं से बच्चों ने भाग लिया। बांदा से आए रमाकांत ने कहा कि अंग्रेजी भाषा के द्वारा भी सत्य संदेश को मानव मात्र तक पहुंचाया जा सकता है। नौजवानों को अंग्रेजी माध्यम के सत्संग से जुड़े रहने का अति आवश्यकता है। इससे अंग्रेजी भाषा के प्रति संकोच दूर होगा। कहा कि भाषा समझ में आए या न आए लेकिन जो इंसान की अभिव्यक्ति होती है वह अपने आप में ही एक भाषा होती है। सबसे ज्यादा भाषा वही महत्व रखती है जो प्यार की भाषा है। जिसमें प्रेम प्रकट किया जाता है, वही भाषा सबसे उत्तम भाषा है। अंग्रेजी भाषा एक सर्वभौमिक भाषा है विश्वभर में अंग्रेजी भाषा को बोलने वालों की संख्या काफी अधिक है।

उलेमाओं ने की तकरीर, अमनो अमान की मांगी दुआ

जौनपुर(आरएनएस)। गौराबादशाहपुर, कस्बा के चोरसंड मुहल्ला में शुक्रवार की रात जलसा सीरत उन नबी का आयोजन किया गया।जलसे की शुरुआत मौलाना असफर ने तेलावते कलाम ए पाक से किया,देर रात तक चले इस दीनी जलसे में अकीदतमंदों ने शिरकत किया। उलेमाओं ने तकरीर की और शायरों ने नबी की शान में नात ए पाक पेश किया, जलसे को खेताब (संबोधित) करते हुए पश्चिम बंगाल से आये मौलाना मुफ्ती सादुन नजीब कासमी ने कहा कि इंसानों के लिये मुहम्मद साहब रहमत बनकर आये, अल्लाह के पैगम्बर ने आपसी भाईचारे का संदेश दिया है। जामिया हुसैनिया लाल दरवाजा के मौलाना मुहम्मद आसिफ ने कहा कि नबी के सीरत पर चलकर ही हमें कामयाबी मिल सकती है।शायर शकील मुबारकपुरी और एहसान जौनपुरी ने नात शरीफ पेश किया। इस मौके पर रियाजुल हक और मो फैज को उनके सामाजिक कार्यों के लिए शाल ओढ़ाकर समान्नित किया गया।जलसा की सदारत (अध्यक्षता) मौलाना दाऊद आलम तथा नेजामत (संचालन) हाफिज अशहद ने किया।आखिर में मुल्क की तरक्की व अमनो अमान की दुआ के साथ जलसे का समापन हुआ।

हिंदी बोलने में शर्म नहीं, गर्व का अनुभव हो

जौनपुर(आरएनएस)। राजभाषा हिंदी के सम्मान और महत्व को उजागर करने हेतु 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। यह एक राष्ट्रीय पर्व है। तिलकधारी मेमोरियल कॉलेज में राष्ट्रभक्ति, संस्कृति और समृद्धि का प्रतीक हिंदी भाषा को हिंदी दिवस के रूप में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के बच्चों ने भाषण, कविता, चित्रकला एवं नाट्य प्रतियोगिता में भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ0 इंद्रजीत सिंह ने बताया कि हिंदी को राजभाषा का दर्जा 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा प्रदान किया गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।